सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार

" शिक्षा सबसे बड़े धन है
इसे कोई चुरा नहीं सकता ...!!

अज्ञात...

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–227 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 05 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

मनगटा वन चेतना केंद्र के पास बायोगैस प्लांट का विरोध तेज, पांच गांव के ग्रामीण तहसील पहुंचे

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुरेन्द्र दास वैष्णव के नेतृत्व में ग्रामीण पहुंचे थे,ग्रामीणों में भारी आक्रोश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रदेश में पर्यटन के लिए मशहूर *मनगटा वन चेतना केंद्र* के पास प्रस्तावित बायोगैस (उइॠ) प्लांट का आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों ने विरोध जताया है। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील कार्यालय राजनांदगांव पहुंचे।

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुरेन्द्र दास वैष्णव के नेतृत्व में ग्रामीण पहुंचे थे। राजनांदगांव तहसील में इस मामले में अंतिम सुनवाई थी। ग्राम पंचायत मुढ़ीपार के आश्रित ग्राम झूराडबरी में बायोगैस प्लांट के लिए जमीन आबंटन पर रोक लगाने की मांग पांच गांव के ग्रामीणों ने की है।

जानकारी के अनुसार झूराडबरी प.ह.नं. 18, राजस्व निरीक्षक मंडल खैरझिटी, खसरा नंबर 672 व 161 की कुल 8.938 हेक्टेयर जमीन की मांग कंपनी द्वारा की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि नगर निगम राजनांदगांव के शहर से निकलने वाले कचरे से बायोगैस बनाया जाएगा, जिससे प्रदूषण फैलेगा। इस दौरान मुढ़ीपार सरपंच मीना साहू, जोरातराई, भेंडरवानी, नवागांव, बीरेझर, फुलझर के सैकड़ों ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार के नाम ज्ञापन देकर जमीन आबंटन पर आपत्ति दर्ज कराई। जोरातराई के सरपंच रमाकांत ने बताया कि ग्रामीण नहीं चाहते कि बायो प्लांट बनने से आसपास प्रदूषण हो और लोगों के स्वास्थ्य के लिए यह हानिकारक साबित हो। ग्रामीणों ने बताया कि सीबीजी प्लांट का विज्ञापन तहसीलदार के माध्यम से प्रकाशित किया गया था, तब उन्हें जानकारी मिली। गांव में एकमात्र चारागाह की जमीन है, जिस पर प्लांट नहीं लगने देंगे। ग्राम पंचायतों द्वारा सर्वसम्मति से विरोध प्रस्ताव पारित कर आपत्ति दर्ज कर दी गई है। इससे पहले यह संयंत्र अन्य जगह प्रस्तावित था, जहां विरोध के बाद इसे यहां लाया जा रहा है। ग्रामीणों ने विधानसभा अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक डॉ. रमन सिंह से भी रायपुर में मुलाकात कर प्लांट नहीं खोले जाने की मांग रखी है। उनका कहना है कि उन्हें प्लांट नहीं लगाए जाने का आश्वासन मिला है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई आगे बढ़ी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बायोगैस प्लांट से होने वाले संभावित नुकसान

** वायु प्रदूषण और दुर्गंध:* कचरे के सड़ने से मीथेन, हाइड्रोजन सल्फाइड जैसी जहरीली गैसें और लगातार बदबू, जिससे वन चेतना केंद्र में आने वाले पर्यटकों पर भी असर पड़ेगा। * जल प्रदूषण:* कचरे के रिसाव (लीचेट) से भू-जल, कुएं, बोरवेल दूषित होने का खतरा। * स्वास्थ्य संकट:* मक्खी-मच्छर बढ़ने से मलेरिया, डेंगू और सांस व त्वचा रोगों की आशंका। * चारागाह संकट:* 9 हेक्टेयर चारागाह जमीन जाने से पशुपालन करने वाले ग्रामीणों के सामने चारा संकट। *5. पर्यटन को नुकसान:* मनगटा वन चेतना केंद्र छत्तीसगढ़ का प्रमुख ईको-टूरिज्म स्थल है, प्रदूषण से इसकी सुंदरता और जैव विविधता प्रभावित होगी।*

युवा कांग्रेस चुनाव में सियासी समीकरण तेज

देवेंद्र यादव बने धुरी, चरण दास महंत और टीएस सिंहदेव से गुप्त मंत्रणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस में इन दिनों युवा कांग्रेस चुनाव को लेकर सरगर्मी चरम पर है। ऑनलाइन वोटिंग से होने वाले इस चुनाव में रोज नए समीकरण बन-बिगड़ रहे हैं। चुनाव की मुख्य धुरी इस समय भिलाई विधायक देवेंद्र यादव बने हुए हैं, जो पूरे प्रदेश का दौरा कर युवाओं को एकजुट करने में जुटे हैं।

दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खेमे से जुड़े कार्यकर्ता चुनावी जंग में सीधे तौर पर भूपेश बघेल को जोड़कर वर्चस्व की लड़ाई को और तेज कर रहे हैं। युवा कांग्रेस का चुनाव कार्यकर्ताओं तक सीमित होने के बावजूद अब यह कांग्रेस के भीतर भविष्य के नेतृत्व की लड़ाई बन गया है। आज देवेंद्र यादव समर्थकों का उत्साह उस समय दोगुना हो गया जब नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के सारथी खुद देवेंद्र यादव बने। सूत्रों के अनुसार देवेंद्र अपनी कार में चरण दास महंत और टीएस बाबा को बैठाकर सेक्टर-5 स्थित अपने निवास लेकर पहुंचे।

विधायक निवास पर तीनों नेताओं के बीच काफी देर तक बंद कमरे में गुप्त मंत्रणा चली। इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि भूपेश खेमे के खिलाफ चरण दास और टीएस बाबा ने देवेंद्र यादव को अपना समर्थन दिया है, जिससे युवा कांग्रेस चुनाव में देवेंद्र गुट का पलड़ा भारी हो सकता है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह मुलाकात सिर्फ युवा कांग्रेस चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के भीतर नए सत्ता समीकरण की भी आहट है।

विवाद में दोस्त की सब्बल से हत्या, चंद घंटों में आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव, 4 सितंबर। चिखली दीनदयाल नगर में हुई हत्या की गुत्थी चौकी चिखली पुलिस ने चंद घंटों में सुलझा ली है। 2 सितंबर की रात अर्जुन वाधवानी घर से निकला था और वापस नहीं आया। परिजनों ने तलाश की तो 3 सितंबर को आरोपी सुनील वर्मा के किराये के मकान के पीछे हॉल में अर्जुन का शव चादर में लिपटा मिला। रिपोर्ट पर धारा 103(1) इढर के तहत अपराध दर्ज किया गया। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में टीम ने आरोपी सुनील वर्मा उर्फ बबलू (29) निवासी रामनगर हाल दीनदयाल नगर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि दोनों जमीन खरीदी-बिक्री का काम करते थे।

यूपी में चुनाव से पहले एनडीए और इंडिया दोनों में सीटों की खींचतान तेज

यूपी में डेढ़ साल पहले से ही सियासी हलचल तेज

आलोक तिवारी / नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में अभी विधानसभा चुनाव में डेढ़ साल से ज्यादा का समय बाकी है, लेकिन सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। 403 सीटों वाले देश के सबसे बड़े सियासी सूबे में सीट शेयरिंग को लेकर दोनों खेमों में हलचल तेज है। एक तरफ सत्ताधारी NDA के भीतर सहयोगी दलों की बढ़ती मांग बीजेपी की टेंशन बढ़ा रही है, तो दूसरी तरफ विपक्षी INDIA ब्लॉक में भी अंदरखाने गुणा-भाग शुरू हो गया है। इसी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के तंज ने सियासत को और गरमा दिया है।

NDA के भीतर सीटों का दबाव: सहयोगी मांग रहे 150 से ज्यादा सीटें

2022 में बीजेपी ने अकेले 255 सीटें जीती थीं, सहयोगियों को मिलाकर ठऊ्न का आंकड़ा 273 था। लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव के बाद समीकरण बदले हैं। अपना दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अब रालोद के आने से ठऊ्न का कुनबा बड़ा हो गया है और हर दल अपनी हैसियत से ज्यादा चाहता है।

1. अपना दल (सोनेलाल): अनुप्रिया पटेल की पार्टी ठऊ्न की सबसे पुरानी और भरोसेमंद सहयोगी है। विधानसभा में अभी 13 विधायक हैं, लोकसभा में 2 सांसद। पार्टी सूत्रों का दावा है कि पूर्वांचल और बुंदेलखंड में कुर्मी वोट बैंक के आधार पर वे 35 से 38 सीटें मांग रही है। पटेल बिरादरी में बीजेपी को सेंधमारी से बचाने के लिए अनुप्रिया की भूमिका अहम मानी जाती है।

2. निषाद पार्टी: संजय निषाद ने तो खुलकर 70 सीटों का दावा ठोक दिया है। पिछली बार उन्हें 15 सीटें मिली थीं, 6 जीते थे। इस बार वे निषाद, केवट, मल्लाह वोट बैंक के सहारे 46 सीटों पर फोकस कर रहे हैं। उनका तर्क है कि निषाद समाज 18 फीसदी आबादी वाला है, इसलिए हिस्सेदारी भी बड़ी होनी चाहिए।

3. सुभासपा (SBSP): ओम प्रकाश राजभर सबसे मुखर हैं। 2022 में सपा के साथ 17 सीटों पर लड़े, 6 जीते, फिर ठऊ्न में लौटे। अब वे 60-65 सीटों की मांग कर रहे हैं। राजभर वोट पूर्वांचल की 40 से ज्यादा सीटों पर निर्णायक है।

4. राष्ट्रीय लोक दल (RLD): जयंत चौधरी के आने से ठऊ्न को पश्चिमी यूपी में जाट-मुस्लिम समीकरण तोड़ने में मदद मिली। फछऊ50 सीटों की मांग पर अड़ी है। वे सिर्फ पश्चिम ही नहीं, अवध में भी कुर्मी और जाट बेल्ट में सीटें चाहती है।

इन चारों दलों की मांग जोड़ें तो 180 से 200 सीटें बनती हैं। बीजेपी के लिए 403 में से इतनी सीटें छोड़ना मतलब अपने मौजूदा 255 विधायकों में से कई का टिकट काटना। यही बीजेपी की सबसे बड़ी चुनौती है।

अखिलेश का तंज: 'बीजेपी अपनी सीटें बांट ले'

इसी खींचतान पर अखिलेश यादव ने चुटकी ली है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि "बीजेपी के सहयोगी ही 150 से ज्यादा सीटें मांग रहे हैं, बची हुई 200 सीटों पर बीजेपी के अपने नेता ही आपस में लड़ पड़ेंगे।" सपा इसे ठऊ्न में अंतर्कलह के तौर पर पेश कर रही है।

अखिलेश का यह तंज सिर्फ मजाक नहीं, रणनीति भी है। वे दिखाना चाहते हैं कि ठऊ्न एकजुट नहीं है और छोटे दल दबाव की राजनीति कर रहे हैं।

INDIA ब्लॉक में क्या है फॉर्मूला? कांग्रेस को 53 सीटें?

दूसरी तरफ सपा-कांग्रेस गठबंधन में भी सीटों का पेंच फंसा है। 2022 में सपा ने कांग्रेस को 125 सीटें दी थीं, कांग्रेस सिर्फ 2 जीत पाई थी। 2024 लोकसभा में दोनों ने मिलकर चुनाव लड़ा और 43 सीटें जीतीं, जिसमें कांग्रेस का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा।

सूत्रों के अनुसार सपा का आंतरिक फॉर्मूला इस प्रकार है: सपा 2022 की तरह इस बार भी कांग्रेस को 50 से 60 सीटों के बीच रखना चाहती है, लगभग 53 सीटों का आंकड़ा चर्चा में है। सपा का तर्क है कि कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा 300 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने लायक नहीं है। इसलिए वे उन्हीं सीटों पर फोकस करें जहां वे मजबूत हैं, जैसे रायबरेली, अमेठी, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ की कुछ सीटें।

वहीं कांग्रेस के नए यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने शुरू में 50-50 फॉर्मूले की बात कही थी, लेकिन अब कांग्रेस 'सम्मानजनक' सीटों की बात कर रही है। कांग्रेस हाईकमान चाहता है कि कम से कम 80 से 100 सीटें मिलें, ताकि 2029 लोकसभा के लिए संगठन खड़ा किया जा सके।

अभी दोनों ही गठबंधनों में औपचारिक बातचीत शुरू नहीं हुई है, लेकिन जमीनी होमवर्क तेज है।

बीजेपी के लिए चुनौती है कि वह योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन सहयोगियों को नाराज किए बिना कैसे साधेगी। ज्यादा सीटें देने से बीजेपी के अपने दावेदार बागी हो सकते हैं, कम देने से सहयोगी दूसरे खेमे में जा सकते हैं। सपा के लिए चुनौती है कि कांग्रेस को कम सीट देकर भी उसे साथ बनाए रखना है, ताकि मुस्लिम-यादव के साथ सवर्ण वोट का भी कुछ हिस्सा जुड़े।

CGPSC मेन्स 2025

795 की जगह सिर्फ 608 इंटरव्यू के लिए चयनित, न्यूनतम अंक नहीं लाने से घटी संख्या, PSC ने स्थिति स्पष्ट की

आयोग ने बताया कि इंटरव्यू के लिए 795 अभ्यर्थियों के स्थान पर केवल 608 अभ्यर्थियों का ही चयन किया गया है, यह किसी गड़बड़ी से नहीं बल्कि न्यूनतम अहर्कारी अंक नहीं पाने के कारण हुआ है

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 के परिणाम को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रांतियों पर स्थिति स्पष्ट की है। आयोग ने बताया कि इंटरव्यू के लिए 795 अभ्यर्थियों के स्थान पर केवल 608 अभ्यर्थियों का ही चयन किया गया है, यह किसी गड़बड़ी से नहीं बल्कि न्यूनतम अहर्कारी अंक नहीं पाने के कारण हुआ है।

आयोग के अनुसार विज्ञापन की कंडिका 3 (iv) और CGPSC प्रक्रिया नियम की कंडिका 7 के तहत प्रत्येक प्रश्न-पत्र में अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 33% और आरक्षित वर्ग (SC/ST/OBC) के लिए न्यूनतम 23% अंक लाना अनिवार्य है। कई अभ्यर्थी इस न्यूनतम अहर्ता को पार नहीं कर पाए, इसलिए संख्या 795 से घटकर 608 रह गई।

पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रावधान नहीं

आयोग ने स्पष्ट किया है कि विज्ञापन की कंडिका 11 (श) के अनुसार ढरउ की किसी भी परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना का प्रावधान नहीं है। इसलिए किसी भी प्रश्न-पत्र पर पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

पारदर्शिता के लिए क्या व्यवस्था

चयन परिणाम के बाद प्रीलिम्स और मेन्स की मेरिट लिस्ट और मेन्स का कट ऑफ आयोग की वेबसाइट पर जारी किया जाता है।

2. अभ्यर्थी फ्छ्रक के तहत अपनी डटफ शीट और मेन्स की उत्तर पुस्तिका की कॉपी प्राप्त कर सकते हैं।

3. मूल्यांकन प्रश्नवार और पूरी तरह पहचान रहित (Anonymous) होता है। मूल्यांकनकर्ता को पता ही नहीं चलता कि कॉपी किसकी है। एक अभ्यर्थी की कॉपियां कई विषय विशेषज्ञ जांचते हैं।

भ्रामक खबरों से बचें - PSC की अपील

CGPSC ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक जानकारियों से प्रभावित न हों। इंटरव्यू के लिए चिन्हांकन की प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार सही तरीके से की गई है।

'मोर गांव, मोर पानी' महाभियान से बेमेतरा को बड़ी सफलता तीन ब्लॉक क्रिटिकल से सेमी-क्रिटिकल में आए

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे 'मोर गांव, मोर पानी' महाभियान का असर दिखने लगा है। कभी क्रिटिकल श्रेणी में रहे बेमेतरा जिले के तीन विकासखंड बेमेतरा, बेरला और नवागढ़ अब सेमी-क्रिटिकल जोन में आ गए हैं।

> गमिर्यों में जल स्रोत सूखने से पेयजल और सिंचाई की बड़ी समस्या होती थी

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में जिले में जल संरक्षण को प्राथमिकता दी गई। कुछ साल पहले प्रदेश के 146 ब्लॉकों में से सिर्फ 5 क्रिटिकल थे, जिनमें से 3 अकेले बेमेतरा जिले के थे। गमिर्यों में जल स्रोत सूखने से पेयजल और सिंचाई की बड़ी समस्या होती थी। इस संकट से निपटने के लिए मनरेगा और श्इ-ॠफ्अट ॠके तहत 33,438 जल संरक्षण कार्य किए गए, जिनमें ट्रेंच निर्माण, तालाब गहरीकरण, फार्म पॉन्ड, रिचार्ज पिट, चेकडैम और रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग शामिल हैं। जनभागीदारी से 46,762 अतिरिक्त कार्य और घरों में 37,821 सोकपिट बनाए गए। ग्राम पंचायत स्तर पर जल बजट तैयार कर ॠक्र आधारित प्लानिंग की गई और बॉटम-अप अप्रोच अपनाई गई। साथ ही रबी सीजन में धान की जगह कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि क्रिटिकल से सेमी-क्रिटिकल आना मंजिल नहीं, एक पड़ाव है। लक्ष्य जिले को सेफ जोन में लाना है।

एलआईसी एजेंट ने पॉलिसी धारक के पते पर अपना पता डालकर की 6.39 लाख की ठगी, गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

एलआईसी एजेंट द्वारा पॉलिसी धारक के पते की जगह अपना पता दर्ज कर लाखों की धोखाधड़ी करने के मामले में बसंतपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आवेदक मुकेश सोनकर ने शिकायत की थी कि उसने परिवार के नाम से एजेंट देवेन्द्र सोनकर के माध्यम से बीमा पॉलिसियां ली थीं। 7 अप्रैल 2026 को एलआईसी कार्यालय में पता चला कि एजेंट ने पुरानी पॉलिसियों को नियमित न कराकर नई पॉलिसियों में अपना पता दर्ज कर दिया, जिससे कई पॉलिसियां लैप्स हो गईं और करीब 6,39,571 रुपये का नुकसान हुआ। मामले में अपराध क्रमांक 409/2026 धारा 318(4), 316(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया। एसपी अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन की टीम ने आरोपी देवेन्द्र सोनकर (45) निवासी पनेका, हाल इंदिरा नगर राजनांदगांव को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है।

अवैध रूप से सड़क किनारे फर्नीचर लगाने वालों पर निगम की कार्रवाई

o

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक-1 में जोन कमिश्नर दिनेश कोसरिया के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण एवं सड़क किनारे अनधिकृत रूप से फर्नीचर लगाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।
जोन-1 राजस्व विभाग द्वारा सुपेला पानी टंकी के सामने सड़क किनारे अवैध रूप से फर्नीचर एवं अन्य सामान लगाकर मार्ग बाधित करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई, बेदखली तथा सामान जब्ती की कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने मौके से अनधिकृत रूप से लगाए गए सामान को हटवाते हुए जब्त किया तथा संबंधितों को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग एवं सड़क किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश दी।
निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथ एवं शासकीय भूमि पर अनधिकृत रूप से कब्जा कर व्यवसाय करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने में निगम का सहयोग करें।
कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शशांक शेखर सिंह, नंद कुमार सिन्हा, विनोद शुक्ला, निरंजन असाटी, नीलेश ठाकुर, हेमंत यादव एवं युवराज साहू उपस्थित रहे।

चेकिंग में चोरी का मोबाइल बरामद, 3 युवक थाने भेजे गए

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी।

कुम्हारी टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस ने चोरी का मोबाइल बरामद कर तीन युवकों को अग्रिम वैधानिक कारर्वाई के लिए कुम्हारी थाना पुलिस के सुपुर्द किया है। मोबाइल को गूगल आईडी के जरिए ट्रेस कर रहे एक नागरिक की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध वाहन को तत्काल रोककर जांच की।

जानकारी के अनुसार 3 अगस्त की रात करीब 8 बजे कुम्हारी टोल प्लाजा पर यातायात पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक नागरिक ने पुलिस को सूचना दी कि उसका मोबाइल चोरी हो गया है और मोबाइल लेकर तीन युवक उॠ04 दछ3497 नंबर के वाहन से जा रहे हैं। नागरिक गूगल आईडी के माध्यम से मोबाइल की लोकेशन ट्रेस करते हुए संबंधित वाहन का पीछा कर रहा था। वाहन के टोल प्लाजा पहुंचते ही नागरिक ने यातायात पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही सहायक उप निरीक्षक निर्दोष एक्का एवं हमराह स्टाफ ने वाहन को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन में सवार तीन युवकों के पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। यातायात पुलिस ने बरामद मोबाइल और संबंधित वाहन को अग्रिम वैधानिक कारर्वाई के लिए थाना कुम्हारी के सुपुर्द कर दिया। तीनों युवकों की पहचान एवं उनके विरुद्ध आगे की कारर्वाई थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

खास खबर

यूट्यूब पर मटका के नंबरों की भविष्यवाणी, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / उतई।

यूट्यूब चैनल के जरिए सट्टा-मटका के अंकों की भविष्यवाणी संबंधी वीडियो बनाकर उसका प्रचार-प्रसार करने के आरोप में उतई पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से विवो कंपनी के दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और सट्टा गतिविधियों से संबंधित डिजिटल सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 4 सितंबर को सूचना मिली थी कि डुमरडीह बस स्टैंड स्थित अंजली ब्यूटी पार्लर के पास एक व्यक्ति मोबाइल के जरिए यूट्यूब पर सट्टा-मटका के अंकों की भविष्यवाणी वाले वीडियो बनाकर अपलोड और प्रसारित कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदेही को घेराबंदी कर पकड़ा।

पूछताछ में आरोपी की पहचान रवि चेलक (29), निवासी बड़े पारा, जय स्तंभ चौक, डुमरडीह के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से दो मोबाइल फोन मिले। मोबाइल की जांच करने पर ह्यअठरल्रव टअळङअह्ण नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से ह्यराजधानी नाईट कल्याण जोड़ीह्ण सहित सट्टा-मटका के अंकों की भविष्यवाणी संबंधी वीडियो अपलोड एवं प्रसारित करना पाया गया।

पुलिस ने डिजिटल सामग्री और अन्य विवरण जब्त कर आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 444/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 06(क), 07(1) एवं 11 में कारर्वाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस सट्टा गतिविधियों से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संपर्कों की जांच कर रही है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि जुआ-सट्टा अथवा अन्य अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित सट्टा गतिविधियों से दूर रहें।

बीएसपी में घुसकर 100 किलो कॉपर केबल चोरी का प्रयास, 5 गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट परिसर में प्रवेश कर 100 किलो स्क्रैब कॉपर केबल चोरी कर कार से बाहर ले जाने का प्रयास कर रहे पांच आरोपियों को भिलाई भट्ठी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की कॉपर केबल सहित घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत 80 हजार रुपए बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 3 सितंबर को केऔसुब (सीआईएसएफ) इकाई बीएसपी भिलाई की ओर से थाना भिलाई भट्ठी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि कुछ लोग प्लांट परिसर में प्रवेश कर स्क्रैब कॉपर केबल कार में लोड कर चोरी कर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी दौरान सीआईएसएफ ने उन्हें पकड़ लिया। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान हरीश बाग (24), प्रेम बंजारे उर्फ गुड्डू (25), दीपक ठाकुर (24), अंकुश ठाकुर उर्फ नौउवा (20) और प्रीतम कुमार उर्फ पंचू (31) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर प्लांट से कॉपर केबल चोरी करने की बात स्वीकार की। आरोपियों के कब्जे से 100 किलो स्क्रैब कॉपर केबल, जिसकी कीमत 50 हजार रुपए, तथा घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन, कीमत 30 हजार रुपए, बरामद किए गए। पांचों आरोपियों को 4 सितंबर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक मामले में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। कारर्वाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलेश्वर चन्द्रवंशी, सउनि भारत सिंह चौधरी और प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीआईएसएफ के 1000 जवानों को साइबर ठगी से बचाव के बताए उपाय

संदिग्ध मोबाइल एप डाउनलोड करने से होने वाले खतरों के प्रति भी सचेत किया गया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत थाना उतई पुलिस ने सीआईएसएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र उतई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें करीब 1000 ट्रेनी जवानों, अधिकारी एवं कमर्चारियों को साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के उपाय बताए गए। पुलिस टीम ने ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी, बैंकिंग और यूपीआई फ्रॉड से बचने के तरीके समझाए। जवानों को सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, साइबर ब्लैकमेलिंग तथा अनजान लिंक और संदिग्ध मोबाइल एप डाउनलोड करने से होने वाले खतरों के प्रति भी सचेत किया गया।

पुलिस ने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम/डेबिट कार्ड की जानकारी, सीवीवी, पिन, यूपीआई पिन, बैंक संबंधी जानकारी या निजी दस्तावेज साझा नहीं करना चाहिए। किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से भी बचने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने और संबंधित बैंक को सूचना देने की प्रक्रिया भी बताई गई। पुलिस ने जवानों और कमर्चारियों से कहा कि वे अपने परिवार एवं परिचितों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें।

दुर्ग पुलिस ने अपील की है कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

भिलाईनगर पुलिस ने राजस्थान से ठग को दबोचा, भेजा जेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ऑनलाइन ठगी के मामले में भिलाईनगर पुलिस ने म्यूल खातों से रकम निकालने वाले आरोपी को उदयपुर, राजस्थान से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

प्रार्थी की शिकायत पर थाना भिलाईनगर में अपराध क्रमांक 469/2024 धारा 318(4) बीएनएस और 66ऊआईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज था। विवेचना में पहले 5 आरोपी गिरफ्तार हुए थे, उनके मेमोरेंडम से आरोपी रमेश सुथार (25) निवासी ग्राम बना, थाना खेरवा, वल्लभनगर, उदयपुर की संलिप्तता उजागर हुई। आरोपी साथियों के साथ ठगी की रकम म्यूल खातों से निकालकर उपयोग करता था। विशेष टीम ने राजस्थान में तलाश कर उसे 2 सितंबर को गिरफ्तार किया। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। टीम में उपनिरीक्षक पूरण बहादुर, आरक्षक अनूप शर्मा, शाहबाज खान और जुगनू सिंह शामिल रहे।

दुर्ग पुलिस का विशेष अभियान 2 दिन में 247 वारंट तामील

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने लंबित न्यायालयीन वारंटों की तामिली के लिए चलाए विशेष अभियान में दो दिन में कुल 247 वारंट तामील कर वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जिसमें 69 स्थाई वारंट शामिल हैं।

ACCU और जिले के सभी थानों की टीमों ने समन्वित कारर्वाई की। मारपीट, चाकूबाजी, आर्म्स एक्ट, आबकारी और एनआई एक्ट सहित विभिन्न प्रकरणों के वारंटियों की पतासाजी कर दबिश दी गई। सुपेला/स्मृति नगर में सर्वाधिक 27, दुर्ग में 23, मोहन नगर में 21, छावनी और पद्मनाभपुर में 15-15, खुर्सीपार में 16, नंदिनी नगर और नेवई में 14-14, पुलगांव में 7 सहित अन्य थानों में कारर्वाई हुई।

पुलिस ने अपील की है कि न्यायालयीन निर्देशों का पालन करें और वारंट से बचने का प्रयास न करें।

सहकारी बैंक ने किसानों को 13.10 करोड़ के ऋण मंजूर किए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की ऋण उप समिति की बैठक गुरुवार को अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले की 11 सहकारी समितियों से जुड़े किसानों के विभिन्न ऋण प्रकरणों को मंजूरी दी गई।

फसल ऋण के लिए 811 किसानों को 9.56 करोड़ रुपए की पूरक साख सीमा स्वीकृत की गई। वहीं गन्ना उत्पादन के लिए 6 किसानों को 5.62 लाख और केला उत्पादन के लिए 3 किसानों को 7.73 लाख रुपए का ऋण मंजूर किया गया। गौपालन के लिए 95 किसानों को 1.96 करोड़ और ऋण नवीनीकरण के तहत 38 किसानों को 63.30 लाख रुपए स्वीकृत किए गए। मत्स्य पालन के लिए 2 किसानों को 2.62 लाख, बकरीपालन के लिए 2 किसानों को 4.32 लाख और कुक्कुट पालन के लिए 3 किसानों को 6.40 लाख रुपए मंजूर हुए।

इसके अलावा मध्यकालीन व्यक्तिगत ऋण के तहत 8 किसानों को 45.64 लाख, गोल्डन क्रेडिट कार्ड के तहत 2 किसानों को 9 लाख तथा 3 स्वयं सहायता समूहों को 12.60 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया। अध्यक्ष ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य विभाग की योजनाओं का किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में उपाध्यक्ष नरेश यदु, सहायक संचालक कृषि सुमन कुमार कोर्राम, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं सतीश पाटले और सीईओ एस.के. वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

धमधा रोड पर धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कारर्वाई कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया जेल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

धमधा रोड सब्जी मंडी के पास सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने के आरोप में मोहन नगर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से लोहे का धारदार हथियार बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कारर्वाई कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 4 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि धमधा रोड सब्जी मंडी के पास एक युवक धारदार हथियार लेकर आम लोगों को डरा रहा है। सूचना पर मोहन नगर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को हिरासत में लिया

पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार हथियार, जिसकी अनुमानित कीमत 500 रुपए है, बरामद हुआ। आरोपी की पहचान आशीष यादव उर्फ आशु (26), निवासी लुचकी पारा वार्ड क्रमांक 7, दुर्ग के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 624/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया। इसके बाद न्यायालय में पेश करने पर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लेकर घूमने, लोगों को डराने-धमकाने या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

प्रतिबंधित दिवस पर अवैध शराब की बिक्री का प्रयास, 3 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग। प्रतिबंधित दिवस पर अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने दो थाना क्षेत्रों में कारर्वाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 104 पौवा देशी शराब और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। तीनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मोहन नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि धमधा रोड सब्जी मंडी के पास दो युवक प्रतिबंधित दिवस पर शराब बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर सुभाष ठाकुर उर्फ छोटू (21) और अजय विश्वकर्मा (23) को पकड़ लिया।

आर्टकॉम ने महामृत्युंजय उद्यान में रोपे अल्फा पौधे, पुराने पौधे बने युवा वृक्ष

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्टकॉम के ₹हर आंगन एक पेड़₹ अभियान के तहत रविवार को भीषण वर्षा के बीच महामृत्युंजय उद्यान, न्यू आदर्श नगर में पौधरोपण किया गया। टीम के वरिष्ठ सदस्य सुदीप सनातनी ने 4 साल पहले लगाए गए पौधों को विशाल युवा वृक्ष के रूप में दिखाया। उन्होंने कहा कि लगाए गए अल्फा पौधों को बच्चों की तरह पाला गया है, जो आज ऑक्सीजन दे रहे हैं। संस्था संचालक निशु पांडेय ने पौधों को संरक्षित करने वाले सभी लोगों का आभार जताया।

इस दौरान पुराने पौधों में लगे लोहे के ट्री गार्ड को निकालकर नए अल्फा पौधों में पुनः उपयोग किया गया, जो आयोजन की सकारात्मक तस्वीर रही। उपस्थित लोगों ने दुर्ग जिले को ₹हरिहर दुर्ग₹ बनाने का प्रण लिया।

कार्यक्रम में कॉलोनी से सुदीप सनातनी, दरबारी लाल देशमुख, संजीव अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, संजय डहरवाल सहित आर्टकॉम टीम से संरक्षक करमजीत सिंह, रजनीकांत अग्रवाल, अध्यक्ष गुरुनाम सिंह, मेघा कौर, अमिताभ भट्टाचार्य, निशु पांडेय सहित अन्य मौजूद रहे।

सीएसवीटीयू में अध्यात्म, विज्ञान और गीता पर व्याख्यान आयोजित

राष्ट्रीय प्रचारक संत किशन लाल शर्मा ने विद्यार्थियों को ध्यान और विहंगम योग की जानकारी दी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में एनएसएस और विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विहंगम योग संस्थान द्वारा अध्यात्म, विज्ञान और श्रीमद्भगवद्गीता पर प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विहंगम योग संस्थान के राष्ट्रीय प्रचारक संत किशन लाल शर्मा ने विद्यार्थियों को ध्यान और विहंगम योग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ मानसिक संतुलन, एकाग्रता और सकारात्मक सोच जरूरी है। नियमित ध्यान से दिनचर्या व्यवस्थित होती है और अध्ययन में एकाग्रता बढ़ती है।

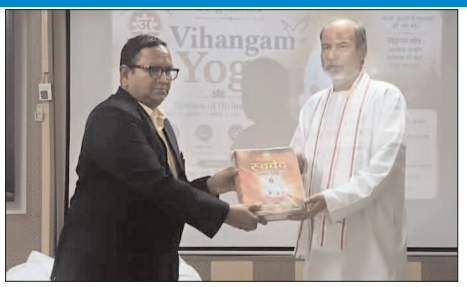

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आध्यात्मिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मन को नियंत्रित रखने की कला विकसित करना रहा।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. अरुण अरोरा, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी, यूटीडी निदेशक डॉ. पंकज मिश्रा, डॉ. हरीश घृतलहरे, डॉ. वंदना चंद्राकर, संध्या गंवर, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. उमेश कुमार सहित विभागाध्यक्ष, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर जागरूकता सम्मेलन आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

साइबर जागृति अभियान (15 अगस्त - 2 अक्टूबर) के तहत जिला पुलिस कार्यालय के सभा कक्ष में वरिष्ठ नागरिक साइबर जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय, एएसपी खोमन सिन्हा और सिटी कोतवाली प्रभारी लखेश कैवंट ने 60 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट, सीबीआई/ईडी अधिकारी बनकर ठगी, OTP और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव के टिप्स दिए।

सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. निशा झा ने बताया कि कैसे सतर्कता से वे ठगी से बचीं। कई पेंशनर्स ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद अनजान कॉल आए, लेकिन सावधानी से वे बच गए। अधिकारियों ने ऑनलाइन बैंकिंग और फर्जी वीडियो कॉल से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

सम्मेलन में वरिष्ठ नागरिक संगठन के अध्यक्ष श्याम शुक्ला, पेंशनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष एस.एन. पाध्येय, तारण सिंह ठाकुर सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। पुलिस ने अपील की कि अनजान कॉल पर ध्यान न दें और ठगी होने पर 1930 पर संपर्क करें।

खास खबर

आर्थिक रूप से असमर्थ श्रद्धालुओं को हनुमान अंश फिल्म नि:शुल्क दिखाएगी रूद्र सेना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। बाबा नीम करोली महाराज की जीवनी पर आधारित फिल्म ह्नहनुमान अंशह्व के नि:शुल्क प्रदर्शन एवं सेवा सहायता को लेकर रूद्र सेना ने पहल की है। संगठन ने श्रद्धालुओं और सनातन प्रेमियों से फिल्म देखने तथा अपने परिवार एवं परिचितों को भी फिल्म दिखाने की अपील की है। रूद्र सेना प्रमुख आलोक पाण्डेय ने बताया कि जो श्रद्धालु आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, लेकिन फिल्म देखने की इच्छा रखते हैं, उनके लिए संगठन द्वारा नि:शुल्क व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत फिल्म देखने की संपूर्ण व्यवस्था के साथ नाश्ता अथवा भोजन प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से बुजुर्ग माताओं-बहनों के लिए वाहन की व्यवस्था भी संगठन की ओर से की जाएगी। फिल्म देखने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को हनुमान चालीसा भेंट स्वरूप प्रदान की जाएगी। रूद्र सेना के अनुसार यह सेवा पूरी तरह नि:शुल्क है और इसका उद्देश्य बाबा नीम करोली महाराज की जीवनी पर आधारित फिल्म के माध्यम से भक्ति, सेवा और आध्यात्मिक संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। फिल्म देखने के इच्छुक आर्थिक रूप से असमर्थ श्रद्धालु रूद्र सेना प्रमुख आलोक पाण्डेय से मोबाइल नंबर 7354299999 पर संपर्क कर सकते हैं। संगठन ने सभी श्रद्धालुओं से इस पहल का लाभ उठाने और फिल्म को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

महापौर के खिलाफ अश्लील टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार, मोबाइल जब्त

हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपराध स्वीकार किया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर महापौर के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज करते हुए वीडियो बनाने वाले आरोपी को सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रार्थी अनिल सोनकर ने 3 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने महापौर रायपुर के खिलाफ अश्लील टिप्पणी करते हुए वीडियो बनाया है, जिसे मिरर छत्तीसगढ़ की एंकर सोमा देवांगन द्वारा बिना आपत्तिजनक शब्द हटाए प्रसारित कर समाज में अशांति फैलाने का प्रयास किया गया। रिपोर्ट पर थाना सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 475/2026 पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई।

DCP सेंट्रल जोन के निर्देशन और थाना प्रभारी सिविल लाइन के नेतृत्व में टीम ने आरोपी को चिन्हित किया। आरोपी विजय उर्फ सोनू महेश्वरी पिता नारायण महेश्वरी (24) निवासी देवपुरी, आमातालाब, दुर्गा मंदिर के पास, थाना टिकरापारा रायपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर कारवाई की है।

विधायक ललित चंद्राकर ने कोकड़ी को दी 42.90 लाख के विकास कार्यों की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ग्राम कोकड़ी में 42.90 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। ओपन जिम निर्माण 6 लाख, विभिन्न गलियों में सीसी रोड सह नाली 7 लाख, सीसी रोड 5.10 लाख, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में स्मार्ट क्लास 5 लाख और नाला में रपटा निर्माण 19.80 लाख की लागत से होगा। विधायक ने कहा कि कोकड़ी में विकास का नया अध्याय शुरू हो रहा है। भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान और नौजवान के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास की गंगा बह रही है। ओपन जिम से युवा फिट रहेंगे, सीसी रोड से कीचड़ से मुक्ति मिलेगी, स्मार्ट क्लास से गांव के बच्चे डिजिटल शिक्षा पाएंगे और रपटा बनने से किसानों को आवागमन में सुविधा होगी।

कार्यक्रम में सरपंच युगल किशोर चंद्राकर, उपसरपंच निर्मला मानिकपुरी, सचिव गैंदलाल साहू सहित पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ईदगाह भाटा मैदान में चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

राजधानी में खुलेआम चाकू लहराकर लोगों को डरा-धमका रहे एक आरोपी को आजाद चौक पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ईदगाह भाटा मैदान के पास एक व्यक्ति धारदार बटनदार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस को देख आरोपी भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी की पहचान शेख युसुफ उर्फ नजमुद्दीन (41) निवासी ईदगाहभाटा के सामने रायपुर के रूप में हुई। उसके कब्जे से धारदार बटनदार चाकू बरामद किया गया। चाकू का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर अपराध क्रमांक 206/2026 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाना पड़ा भारी आरपीएफ ने पुणे से दबोचा

*नई दृष्टिबिंदु /*राजनांदगांव

रेलवे ट्रैक किनारे बैठकर रील बनाकर वायरल करने वाले मुख्य आरोपी को आरपीएफ राजनांदगांव ने महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। आरोपी अजय प्रजापति (28), पिता संतोष प्रजापति, निवासी ग्राम जगोरा, वार्ड-2, थाना पिथौरा, जिला महासमुंद है। आरपीएफ निरीक्षक तरुणा साहू और टीम ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और नागरिकों के सहयोग से पुणे में दबिश देकर उसे पकड़ा। आरोपी को राजनांदगांव लाकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट पर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया। आरपीएफ ने अपील की है कि कुछ सेकंड की लोकप्रियता के लिए रेलवे ट्रैक या प्रतिबंधित क्षेत्र में रील बनाना जानलेवा और गंभीर अपराध है, ऐसे लोगों पर पैनी नजर है।

5 सितंबर को ही क्यों मनाया जाता है शिक्षक दिवस, भाजपा नेता अशोक चौधरी ने बताया इतिहास

*नई दृष्टिबिंदु /*राजनांदगांव

रॉयल किड्स कान्वेंट के उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अशोक चौधरी ने शिक्षक दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का पूरा जीवन शिक्षकों की भांति उपदेश देने में बीता।

चौधरी ने बताया कि भारत की बौद्धिक विरासत को विश्व स्तर पर पहुंचाने की प्रेरणा महात्मा गांधी ने डॉ. राधाकृष्णन को दी थी। स्वतंत्रता संग्राम के बड़े नेता भगवद् गीता का अध्ययन करते थे। डॉ. राधाकृष्णन ने अपनी किताब लिखकर गांधी जी को पढ़ने के लिए दी थी। उन्होंने बताया कि जिस शिकागो धर्म सभा में स्वामी विवेकानंद ने सनातन धर्म का उपदेश दिया था, उसी मंच पर कई दशक बाद डॉ. राधाकृष्णन ने भी गीता पर उपदेश दिया। उस समय के प्रख्यात पत्रकार हेनरी जेम्स ने अपने अखबार के संपादकीय में लिखा था कि भारत की बौद्धिक परंपरा ईसाई परंपरा से बहुत आगे है और ब्रिटेन को भारत को स्वतंत्र करना चाहिए डॉ. राधाकृष्णन की शैक्षणिक गतिविधियों में संलिप्तता को देखते हुए उनके जन्मदिन 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता आंदोलन में जनता से सीधे संवाद करने वाले अधिकांश लोग शिक्षक थे, जिन्होंने आंदोलन को गति दी।

महिलाओं के संपत्ति अधिकार को मजबूत कर रही सरकार, रजिस्ट्री में 50% छूट

रायगढ़ की शर्मिला को 25 हजार की बचत

*नई दृष्टिबिंदु /*रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की पहल से महिलाओं के नाम अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसका सीधा लाभ प्रदेश की महिलाओं को मिल रहा है।

राज्य सरकार ने पंजीयन शुल्क 4 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया है। इससे महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने को प्रोत्साहन मिल रहा है। रायगढ़ निवासी शर्मिला मिश्रा ने अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री कराई। छूट से उन्हें करीब 25 हजार रुपये की बचत हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार जताया। शर्मिला ने कहा कि सरकार का यह निर्णय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने वाला है।

दक्षिण भारत के बाजार में छत्तीसगढ़ पर्यटन की दस्तक चेन्नई रोड शो में 130 टूर ऑपरेटरों ने दिखाई रुचि

*नई दृष्टिबिंदु /*रायपुर

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने दक्षिण भारत के पर्यटन बाजार से जुड़ने के लिए चेन्नई में रोड शो का आयोजन किया। फिक्की के सहयोग से हुए शो में 130 से अधिक टूर ऑपरेटरों ने भाग लिया और B2B बैठकों में छत्तीसगढ़ भ्रमण के लिए साझेदारी पर चर्चा हुई।

खास बात यह रही कि पहली बार छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का प्रस्तुतीकरण तमिल भाषा में किया गया, जिसने स्थानीय व्यवसायियों से भावनात्मक जुड़ाव बनाया।

कार्यक्रम में टूरिज्म बोर्ड अध्यक्ष नीलू शर्मा, सचिव डॉ. एस. भारतीदासन और प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे ने राज्य की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और निवेश संभावनाओं को रखा। भारत सरकार की सहायक निदेशक एस. पद्मावती, फिक्की पदाधिकारी जसप्रीत सिंह भाटिया, श्रीहरन बालन और तमिलनाडु पर्यटन निदेशक डॉ. वी.पी. जयसीलन मौजूद रहे। चेन्नई में पदस्थ छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी के.सी. देवासेनापति और एलेक्स पॉल मेनन की मौजूदगी ने कार्यक्रम को भावनात्मक आयाम दिया।

सीएसवीटीयू और ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज में कौशल प्रमाणन के लिए एमओयू

युवाओं को एनएसक्यूएफ संरेखित प्रमाणपत्र मिलेगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

*नई दृष्टिबिंदु /*भिलाई,

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) और ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज रायगढ़ के बीच कौशल मूल्यांकन और प्रमाणन को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

यह एमओयू सीएसवीटीयू के स्वामी विवेकानंद युवा कौशल सेतु (SVYKS) कार्यक्रम के तहत ओपीजेसीसी की सीएसआर कौशल विकास परियोजना में प्रशिक्षित युवाओं के मूल्यांकन के लिए किया गया है। समझौता दो साल के लिए प्रभावी रहेगा, जिसे आपसी सहमति से तीन साल तक बढ़ाया जा सकेगा।

इसके तहत सीएसवीटीयू निर्माण, कैपिटल गुड्स, प्लंबिंग और आईटी-आईटीईएस क्षेत्रों में ओपीजेसीसी के पुंजीपथरा, अंगुल और पत्रातू केंद्रों पर प्रशिक्षित उम्मीदवारों का मूल्यांकन करेगा। युवाओं को एनएसक्यूएफ संरेखित प्रमाणपत्र मिलेगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

कुलपति प्रो. डॉ. अरुण अरोरा की मौजूदगी में कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी और ओपीजेसीसी निदेशक जितेंद्र कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

अमर शहीद दुर्वासा लाल निषाद का शहादत दिवस श्रद्धा से मनाया गया

*नई दृष्टिबिंदु /*देवरी(ख)

ग्राम देवरी(ख) में अमर शहीद दुर्वासा लाल निषाद का शहादत दिवस समारोह श्रद्धा और गर्व के साथ मनाया गया। समारोह में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए और शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधायक ने शहीद के पिता मुनिलाल निषाद और माता बोधनी बाई का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। साथ ही मेधावी छात्रों, शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों का भी अभिनंदन किया।

अपने उद्बोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि देवरी(ख) की धरती ने वीर सपूत को जन्म दिया है। कारगिल युद्ध में मातृभूमि के लिए प्राण देने वाले शहीद दुर्वासा लाल का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा है। सरकार शहीद परिवारों के सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, निषाद समाज के अध्यक्ष राजेंद्र निषाद, डॉ. घनश्याम निषाद सहित पूर्व सैनिक, समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संपादकीय

नक्सलमुक्त क्षेत्रों में शिक्षा की नई भोर

धनंजय राठौर / संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

शिक्षक दिवस पर विशेष लेख

छत्तीसगढ़ के पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद स्कूलों में घंटियां बजने लगी हैं, जो इस शिक्षक दिवस पर बस्तर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक बदलाव का प्रतीक है। जहाँ कभी बारूद की गंध और बंदूक की आवाजें हुआ करती थीं, वहाँ अब बच्चे राष्ट्रगान गा रहे हैं।

5 सितंबर को देशभर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर ह्रशिक्षक दिवसह्व की धूमधाम रहेगी। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ का बस्तर और अन्य दूरस्थ अंचल एक नई उम्मीद के साथ मुस्कुरा रहा है। कभी बंदूक के साए और नक्सली खौफ के कारण दशक भर से बंद पड़े स्कूल आज फिर से गुलजार हो चुके हैं। दूर-दराज के गांवों में जब वर्षों बाद फिर से स्कूल की घंटी बजती है, तो वह केवल पढ़ाई की शुरुआत नहीं होती, बल्कि उस क्षेत्र में लौटते लोकतंत्र, शांति और सुरक्षा की गूंज होती है।

बंद पड़े स्कूल फिर से हुए संचालित

छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास, सुरक्षा और जन कल्याणकारी नीतियों (ह्यनियद नेल्ला नारह्व जैसी योजनाओं) के प्रभाव से दक्षिण बस्तर के सुदूर नक्सल प्रभावित इलाकों में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे जिलों में लगभग दो से ढाई दशकों से बंद पड़े 600 से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को जिला प्रशासन और पुलिस बल के सहयोग से दोबारा खोल दिया गया है। जो इमारतें कभी नक्सलियों द्वारा ध्वस्त कर दी गई थीं या सुरक्षा बलों के कैंप के लिए इस्तेमाल होती थीं, उन्हें फिर से संवारकर बाल-सुलभ रूप दिया गया है। नक्सलमुक्त होते क्षेत्रों में शिक्षा की लौ जलाने का वास्तविक श्रेय उन स्थानीय शिक्षकों को जाता है, जिन्होंने विपरीत और भयावह परिस्थितियों के बावजूद अपना कर्तव्य नहीं छोड़ा।

स्थानीय भाषा में अध्यापन

दूरस्थ वनांचल में नियुक्त शिक्षक न केवल बच्चों को बुनियादी अक्षर ज्ञान दे रहे हैं, बल्कि गोंडी, हलबी और डोरली जैसी स्थानीय बोलियों में संवाद कर बच्चों का स्कूल से जुड़ाव मजबूत कर रहे हैं।

समुदाय से संवाद

शिक्षकों ने ग्रामीणों और नक्सलियों के डर से सहमे अभिभावकों के बीच जाकर उनका विश्वास जीता, जिससे आज सैकड़ों बच्चे वापस ब्लैकबोर्ड और किताबों से जुड़ चुके हैं।

पत्रकारिता का पतन या समाजिक संक्रमण

विशेष लेख
राजीव चौबे
फाउंडर राष्ट्रीय चेतना न्यूज

आज जब भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र बनाने की मुहीम चल रही है , लोकतंत्र की इस 80 साल पुरानी ईमारत के जीणोद्धार का प्रयास चल रहे हैं तब इस प्रयास से पहले उन चार स्तभों को परखना भी अनिवार्य होगा जिन पर ये इमारत खड़ी है । सब से पहले तो ये जानना होगा कि लोकतंत्र की इमारत के चार आधार स्तम्भ आज किस स्थिति में हैं । एक कहावत है कि किसी भी अच्छे काम की शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए तो विधायिका , कार्यपालिका , न्याय पालिका और पत्रकारिता इन चार स्तम्भों में सबसे पहले अपने घर याने कि पत्रकारिता की स्थिति का विश्लेषण हों आवश्यक है ।

इस सृष्टि के प्रथम पत्रकार महर्षि नारद के युग से गणेश शंकर विद्यार्थी के युग तक और तब से आज की पत्रकारिता के स्वाभाव में आए मूल परिवर्तन पर चर्चा होनी चाहिए , 1989 तक पत्रकारिता का प्रभाव इतना था की उस समय राजीव गाँधी की सरकार की चूलें हिला का रख दी थी 1989 के आम चुनाव में राजीव गाँधी को सत्ता से बेदखल करने का मुख्य सूत्रधार इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप था , लेकिन इसके बाद से ही पत्रकारिता में परिवर्तन की शुरुवात हो गई । 1980 के उत्तरार्ध और 1990 के दशक के प्रारम्भ में इलेक्ट्रॉनिक मिडिया नवजात था लेकिन प्रिंट मिडिया का प्रभाव अपने पूरे शबाब पर था बेशक देश के कुछ एक बड़े अखबार औद्योगिक घरानों के हाथों में भी थे बावजूद इसके किसी भी अखबार का संपादक ही उसका सी ई ओ होता था , अखबार में क्या छापना है क्या नहीं ये पूरी तरह से संपादक का विशेषाधिकार होता था। 1992 – 93 में व्यस्थाएं बदलने लगी।

पत्रकारिता मिशन से प्रोफेशन में तब्दील होने लगी अखबारों में मार्केटिंग मैनेजर नियुक्त होने लगे और धीरे धीरे ये मार्केटिंग मैनेजर सम्पादकों पर हावी होने लगे कलम गौण हो गई और विपणन विशिष्ट हो गया। छत्तीसगढ़ में रायपुर से निकलने वाले एक बड़े अखबार के संपादक का त्यागपत्र इस परिवर्तन के मार्ग में मील का पत्थर बन गया । छत्तीसगढ़ के मूर्धन्य पत्रकार स्व बबन प्रसाद मिश्रा रायपुर से प्रकाशित एक बहुत बड़े और प्रतिष्ठित समाचार पत्र के सम्पादक थे तब एक घटना घटी उस अखबार के मुख्य पृष्ठ पर एक केश तेल का फूल पेज विज्ञापन छपा ,मिश्र जी उस दिन अवकाश पर थे और ये उनकी जानकारी के बिना हुआ , विज्ञापन देख वो असहज हुए और प्रेस में फोन कर पूछा कि ये कैसे हुआ ? जवाब मिला मार्केटिंग मैनेजर के आदेश से ! बबन मिश्र जी ने उसी दिन अपने घर से अपना त्यागपत्र भेज दिया और फिर उस प्रेस गए ही नहीं ।

इस घटना को पत्रकार के आत्मसम्मान का रक्षण भी भी कहा जा सकता है और आत्मसम्मान की अंत्येष्टि भी क्योंकि बबन जी ने त्यागपत्र दे कर अपना आत्मसम्मान तो बचा लिया लेकिन पत्रकारिता में समादकों की अहमियत नहीं बच पाई । इस घटना के बाद कलम गौण हो गई और बाजार हावी हो गया 1993 से 2013 तक अखबारों में विज्ञापनों के जरिये अंधाधुन व्यापार की होड़ मच गई पहले संपादक के ऊपर मार्केटिंग मैनेजर बैठे फिर ब्यूरो चीफ ऊपर मार्केटिंग एक्सिक्यूटिव को यूनिट हेड बना कर बैठा दिया गया विज्ञापनदाता समाचारों पर हावी हो गए और और समाचार विज्ञापनदाताओं की सुविधा से छपने लगे इस बीच इलेक्ट्रॉनिक मिडिया भी काफी परिपक्व हो चुका था इसकी गति बहुत तेज थी और सुबह या शाम एक समय के अखबार की तुलना में इसे इसकी 24 घंटे की सक्रियता का लाभ भी मिला ।

2012 के आसपास सोश्यल मीडिया प्रादुर्भाव हुआ लेकिन ये बहुत जल्द ही बहुत लोकप्रिय भी हो गया । 2014 से ही फिर एक नए युग का आरम्भ हुआ प्रामाणिकता के आभाव के बावजूद तीव्र गति से बढ़ता सोश्यल मीडिया पूर्णतः निरंकुश था लेकिन जिसकी प्रमाणिकता पर समाज का विश्वास था वो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया राजनीतिक दबाव और कॉरपोरेट नियंत्रण का शिकार होने लगा बड़े बड़े औद्योगिक समूहों ने बड़े इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनल्स शुरू किये या फिर पुराने चैनल्स खरीदने लगे पूरा मीडिया दो भागों में बंट गया एक भाग सरकार का पूर्ण चारण हो गया जो गोदी मिडिया कहलाया और दूसरा भाग सरकार का धूर विरोधी हो गया जो विरोधी मिडिया कहलाया । वर्तमान में इन दो ध्रुवों में गला काट प्रतिस्पर्धा चल रही है गोदी मिडिया दरबारी चारणों से भी कई गुना गिर कर सत्ता की स्तुति में लगा हुआ है इसे विपक्ष की कोई भी अच्छाई नहीं दिखती और सरकार के किसी भी काम में कोई दोष नजर नहीं आता और सिद्धांतवादी इतना है कि सरकारी टुकड़ों के नमक का हक़ अदा करने हर स्तर तक गिरने को तत्पर दीखता है ।

वहीं विरोधी मिडिया भी अति कर्तव्यनिष्ठ होने के साथ साथ सिद्धांतों का इतना पक्का है कि उसे भी सत्ता पक्ष की कोई भी अच्छाई नजर नहीं आती और विपक्ष की कोई भी कमजोरी नहीं आती ये भी भीष्म पितामह की तरह अपनी अंध निष्ठा के लिए प्रतिज्ञाबद्ध है और सरकारी टुकड़ों की भरपाई दूसरे माध्यमों से कर के विपक्ष के मुखपत्र की तरह सत्ता पर दनादन फायर कर रहा है । आज लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को लेकर दो प्रश्न उठते हैं

पहला – इसमें लगी दीमक क्या है ?
दूसरा ये दीमक इसे कितना चर चुकी है ?

दरअसल आर्थिक संकट, राजनीतिक दबाव, कॉरपोरेट नियंत्रण, टीआरपी की भूख, सोशल मीडिया की अंधी दौड़, पत्रकारों की मजबूरी या फिर पत्रकारिता के भीतर ही पैदा हो चुका संक्रमण ही वो दीमक है जिसने जिसने समाचार और प्रचार के बीच की सीमा को लगभग खत्म कर दिया है ?

इस घातक दीमक द्वारा चरे जाने के बावजूद चौथा स्तम्भ अभी पूरी तरह से ढहा नहीं है इसलिए उम्मीदें अब भी शेष हैं ।

आज एक और अहम् प्रश्न उठ रहा है कि क्या पत्रकारिता का पतन सिर्फ पत्रकारिता का पतन है या फिर यह पूरे समाज के चरित्र में ही परिवर्तन आ गया है ? पत्रकारिता को समाज का दर्पण कहते हैं इसलिए ये भी शोध का विषय है कि आज पत्रकारिता समाज को वो दिखा रही है जो समाज में हो रहा है , या फिर वो जो समाज देखना चाह रहा है ?

ये चौथा स्तम्भ भी इस समाज का ही एक अंग है आज यदि पूरा समाज ही अपनी अपनी राजनैतिक निष्ठाओं के साथ सत्ता और विपक्ष के दो भागों में बंट गया है तो फिर उसी समाज का एक बहुत छोटा हिस्सा ये पत्रकार भी उस परिवर्तन के सैलाब में क्यों नहीं बह सकता ? अर्थात यदि पूरे समाज के आचरण में परिवर्तन आया है तो फिर ये चौथा स्तम्भ इस परिवर्तन से अछूता कैसे रह सकता है ?

एक दौर था जब पत्रकार सत्ता की आँखों में आँखें डाल कर प्रश्न करता था । आज कई पत्रकार सत्ताधीशों से पूछते हैं कि उनकी सहूलियत किस मे होगी ? पहले राजनीतिज्ञों में पत्रकारों के प्रश्नों का भय हुआ करता था , अब कई पत्रकारों में भय होता है कि कहीं असहज प्रश्न से विज्ञापन का नुक्सान न हो जाए । फिर जब पत्रकारिता पर संकट की बात होती है तो पत्रकारिता संकट में तो है लेकिन ये संकट जितना बाह्य है आंतरिक भी उससे कम नहीं है । पत्रकारिता पर बाह्य सेंसरशिप से कहीं अधिक संकट आंतरिक सेंसरशिप है । जो पत्रकार प्रश्न पूछने से पहले यह विचार करे कि प्रश्न से उसे लाभ हानि कितनी हो सकती है तो फिर वह पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से पूर्णतः विमुख है ।

पत्रकारिता का काम किसी सरकार की आरती उतारना नहीं है, लेकिन पत्रकारिता का काम हर बात में सरकार को गाली देना भी नहीं है । पत्रकारिता का काम विपक्ष का प्रचार करना नहीं है और न ही विपक्ष के खिलाफ सरकार का मुखपत्र बनना है । प्रश्न करना पत्रकारिता का मूल दायित्व है चाहे वो विधायिका में सरकार से हो या फिर विपक्ष से , चाहे वो कार्यपालिका से हो चाहे न्यायपालिका से चाहे वो कॉर्पोरेट से हो या फिर समाज से लेकिन आज प्रतिप्रश्न के भय से प्रश्न दबने लगे हैं । भय विज्ञापन देने वाली सत्ता का है ! भय कभी भी मिडिया हाउस खरीदने में सक्षम कॉर्पोरेट का है ! भय पक्षपात पर समाज की स्वीकार्यता का है ! सबसे बड़ा भय पेट और रोजी का है !

सोशल मीडिया ने पत्रकारिता को आमजन के लिए बहुत सहज बना दिया है ये संभव हुआ है , मोबाइल , कैमरे , फेसबुक लाइव , यूट्यूब चैनल , इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर लाखों लोगों तक पहुंचने के सुगम मार्ग से । लेकिन इसमें प्रामाणिकता का आभाव इसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है । बिना सत्यापन का निरंकुश तंत्र अफवाह को खबर और झूठ को सच बना देता है । कोई भी समाचार पहले द्रुत गति से वायरल हो जाता है फिर उसके सत्यापन के प्रयास होते हैं ।

पत्रकारिता पर इस संकट के लिए समाज भी दायित्व मुक्त नहीं हो सकता । दो भागों में विभक्त समाज के प्रत्येक भाग द्वारा अपने विचारों और रूचि अनुसार खबरों का चयन कर उन्हें सोशल मिडिया पर तत्काल अग्रेषित करने की प्रवृत्ति भी पत्रकारिता को दो भागों में विभक्त करने के लिए मूल रूप से दोषी है । एक पत्रकार की इससे बड़ी दुर्गति क्या हो सकती है कि अब समाज उसे पढ़ने या सुनने से पहले उसके खेमे को तलाशता है , सत्ता अथवा विपक्ष से उसके लगाव को तलाशता है और सत्ता या फिर विपक्ष का समर्थक अपनी सुविधा और रूचि अनुसार पत्रकार और सामग्री का पठन या श्रवण करता है ।

इतने सब के बावजूद भी ये चौथे स्तम्भ के लिए आत्म मंथन का समय है । मिशन से प्रोफेशन में तब्दीली का चयन चौथे स्तम्भ ने स्वयं किया है वो अब मिशन तो रह ही नहीं गया और प्रोफेशन भी अब छोटा मोटा व्यापार ना होकर एक बड़ा उद्योग हो गया है , पाठक , दर्शक और श्रोता अब उपभोक्ता हो गए हैं और किसी भी उद्योग की सफलता का प्रथम सूत्र उपभोक्तावाद है जिसमे उद्योग को उपभोक्ता की रूचि अनुसार उत्पादन करना होता है और दूसरा उद्योगों के लिए सब्सीडी नाम की शासकीय अनुकम्पा जो इन्हे विज्ञापन की शक्ल में मिलती है जिनके बिना किसी भी उद्योग का चलना संभव नहीं है । वेतन , कैमरा , स्टूडियो , वेबसाइट , सर्वर , यात्रा और रिपोर्टिंग के लिए संसाधन इन आवश्यकतों की पूर्ति का माध्यम भी कॉर्पोरेट और सरकारी विज्ञापन हों तो निश्चित रूप से विज्ञापन खबर की दशा भी तय करेंगे और दिशा भी ! संपादकीय निर्णय पर व्यावसायिक हित के दबाव का अर्थ , कलम पर विपणन का दबाव होता है । ऐसी स्थिति में समाचारों की रूपरेखा संपादक की जगह प्रबंधन तय करता है । इस मैनेज्ड पत्रकारिता के विकल्प के रूप में सोश्यल मीडिया उम्मीद के किरण के रूप में दिखा था लेकिन इसमें भी अब अधितम रीच ही इनकी प्राथमिकता बन चुकी है इसी कारण इसमें सनसनी, गाली गलौच , आरोप प्रत्यारोप और वायरल होने की होड़ है और प्रामाणिकता का आभाव है । खबर पहले है और सत्यापन के दायित्व से मुक्त है ।

इस चौथे स्तम्भ को दीमक मुक्त करने का और इसके पूर्ण संधारण का दायित्व सिर्फ पत्रकारिता का ही नहीं अपितु समाज का भी है पाठक , दर्शक और श्रोता जब तक सेलेक्टिव रहेगा ये संभव नहीं है । इन्हे वाम और दक्षिण (सत्ता और विपक्ष) से मुक्त होकर मध्य मार्ग अर्थात निष्पक्ष पत्रकारिता को स्वीकारना होगा आज के इस युग में जहाँ दर्शक और श्रोता की प्रत्येक गतिविधि रिकॉर्ड हो रही है तब टी आर पी बनाये रखने के लिए इनकी पसंद के कंटेंट परोसना चैनलों की विवशता है । अतः इस चौथे स्तम्भ के संधारण के लिए एक मात्र आवश्यकता है समाज और मिडिया घरानों के संयुक्त प्रयास की अतः दोनों को कदम मिलकर चलना होगा ।

'विकसित भारत–जी राम जी' योजना से संवर रही किसानों की तकदीर

विशेष लेख
विष्णु प्रसाद वर्मा
सहायक संचालक

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में जल-क्रांति, समृद्ध किसान - सशक्त को कर रहा है साकार

पानी को जीवन का पर्याय माना गया है, लेकिन मानसून में यही पानी जब खेतों से बहकर व्यर्थ निकल जाता है, तो किसानों के हाथ केवल सूखी मिट्टी और निराशा ही लगती है। छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने इस निराशा को आशा में बदलने की ठानी है। जिला प्रशासन की दूरदर्शिता और 'विकसित भारत-जी राम जी' (VBGRJ) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब गाँव-गाँव में पानी सहेजने की एक मौन क्रांति आकार ले रही है। कभी बह जाने वाला वर्षा जल अब डबरियों (कच्चे तालाबों) में सिमटकर किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया आधार बन चुका है।

प्रशासनिक प्रतिबद्धता से धरातल पर उतरी योजना

प्रशासनिक सजगता और स्पष्ट कार्ययोजना के बल पर जिले के ग्रामीण अंचलों में जल संरक्षण के साथ-साथ आजीविका संवर्धन के प्रयासों को नई दिशा मिल रही है। प्रशासन के कुशल निर्देशन में 'डबरी निर्माण' को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी समन्वित प्रयास का परिणाम है कि जिले में कुल 319 डबरियों की स्वीकृति प्रदान की गई, जिनमें से 200 डबरियों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जबकि शेष 119 डबरियों का कार्य अंतिम चरणों में है। क्षेत्रवार स्थिति पर नजर डालें तो बिलाईगढ़ में 132, बरमकेला में 103 तथा सारंगढ़ में 84 डबरियाँ स्वीकृत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल-संवर्धन को मजबूती दी जा रही है।

25 करोड़ लीटर वर्षा जल का संचयन और 300 एकड़ भूमि की सिंचाई

इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है–वर्षा जल का विशाल संचयन। पूर्ण और निर्माणाधीन डबरियों के माध्यम से जिले में लगभग 25 करोड़ लीटर वर्षा जल को सहेजने का लक्ष्य है। संचित जल से जिले की लगभग 300 एकड़ कृषि भूमि को प्रत्यक्ष सिंचाई का लाभ मिलेगा। इसके अलावा डबरियों में जल ठहरने से आसपास का भू-जल स्तर (Groundwater level) तेजी से रीचार्ज हो रहा है, जिससे कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर भी सुधरा है।

सिंचाई के साथ मछली पालन

डबरी अब केवल पानी रोकने की संरचना नहीं रह गई है, बल्कि यह किसानों के लिए एक बहुआयामी आजीविका मॉडल बन चुकी है। पर्याप्त पानी उपलब्ध होने से किसान अब केवल खरीफ (धान) की फसल तक सीमित नहीं हैं। वे गर्मी और रबी के मौसम में हरी सब्जियों तथा नकदी फसलों की खेती कर रहे हैं। संचित जल का उपयोग न केवल फसल अपितु मछली पालन के लिए किया जा रहा है। इससे किसान अपनी ही जमीन पर बिना किसी बड़े अतिरिक्त निवेश के हर साल अच्छी-खासी पूरक आय अर्जित कर रहे हैं। इस योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दोहरे तरीके से मजबूती प्रदान की है। एक तरफ जहाँ निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों को उनके ही गाँव और खेतों में रोजगार प्राप्त हुआ, वहीं दूसरी तरफ उनके पास एक ऐसी टिकाऊ परिसंपत्ति तैयार हो गई, जो आने वाले कई दशकों तक उनकी आजीविका को सुरक्षा कवच प्रदान करेगी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत हुआ यह जल-संवर्धन कार्य इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि यदि सही नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम किया जाए, तो प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करके ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। यह जल-क्रांति न केवल जल संकट का स्थायी समाधान प्रस्तुत कर रही है, बल्कि 'समृद्ध किसान - सशक्त जिला' की सोच को भी साकार कर रही है।

माइनिंग से हाई-वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़

फार्मा, एआई, ग्रीन स्टील और रक्षा उपकरणों को प्राथमिकता दी गई है।

नीति लागू होने के 18 महीनों में निवेश पोर्टल पर करीब 8 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.5 लाख रोजगार की संभावना है।

नवा रायपुर में एआई-डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर में 18 हजार करोड़ से अधिक के प्रस्ताव हैं। राजनांदगांव में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (एटऊ 2.0) को मंजूरी मिली है, जिससे 3 हजार करोड़ निवेश और 9 हजार रोजगार की उम्मीद है। स्टील क्षेत्र में ग्रीन स्टील डायलॉग में 13,840 करोड़ की प्रतिबद्धताएं आई हैं। फार्मा में 992 करोड़ के प्रस्ताव और 216 करोड़ के 4 प्रोजेक्ट क्रियान्वयन में हैं। बस्तर-सरगुजा में वन उत्पाद और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ अब खनिज आपूर्ति से आगे बढ़कर वैल्यू एडेड और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर,

कविता का कोना

हे भगवान... हे... भगवान

कम थीं क्या दुनिया में परेशानियाँ,
जो उस पर ये सावन की
दे दीं तूने बीमारियाँ?

कहीं बाढ़ है, कहीं आँधियाँ,
कहीं धरती भी काँप गई,
कहीं भूकंप ने घर उजाड़े,
कहीं ज़िंदगी ही थम गई।

अभी संभलकर खड़े भी न हुए थे हम,कि एक और आफत आ गई,
डेंगू, मलेरिया, तेज बुखार,
स्वाइन फ्लू की बारी आ गई।

कोरोना का वह डर अभी
दिल से पूरी तरह गया भी न था,
कि फिर नई-नई बीमारियों का
साया हमारे घर पर आ गया।

तेरी ही पनाह में रहकर,
क्यों इतना दुःख हमने पाया?
क्यों हर कदम पर इम्तिहान मिला,
क्यों चैन का पल न आया?

ऐ खुदा, अब रहम कर,
इन मुश्किलों को दूर कर,
थकी हुई इस दुनिया पर
अपनी रहमत की बारिश कर।

फिर से हँसे हर घर-आँगन,
फिर खुशियों के दीप जलें,
कोई न रोए दर्द में,
हर चेहरे पर मुस्कान मिले।
ऐ खुदा, ऐ खुदा, अब इतनी तो
दुआ कबूल कर—मुश्किलों से
घिरी इस दुनिया को सुकून और
सलामती अता कर।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

राशिफल

मेष
कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ:
रुका हुआ काम पूरा होने के योग हैं। धन लाभ हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुनः
नौकरी-व्यवसाय में सफलता मिलेगी। किसी पुराने परिचित से लाभ हो सकता है। खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क
परिवार में सुख-शांति रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। यात्रा के योग हैं।

सिंहः
महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। धन संबंधी मामलों में लाभ मिल सकता है।

कन्या
कार्यभार बढ़ सकता है, लेकिन परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। निवेश में सावधानी बरतें।

तुला
व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक
मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर बन सकते हैं। अनावश्यक विवाद से बचें।

धनें
नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

मकर
कार्यक्षेत्र में चुनौती आ सकती है, लेकिन आप स्थिति संभाल लेंगे। खर्च बढ़ सकता है।

कुंभ
दिन उत्साह से भरा रहेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। धन लाभ के योग हैं।

मीनः
मन प्रसन्न रहेगा। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेटचले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडरज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है। अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार-चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6-0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6-2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-3, और 6-1 से हराया।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंटकिट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंटकिट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंटकिट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंटकिट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

दलीप ट्रॉफी

तिलकवर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन

5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए

मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज: अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी की अब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरेमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सितंबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाडियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जै अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की ओर से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को ठहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

सेंटकिट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंटकिट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंटकिट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।

4 सितंबर को मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी, जानें कब होगी पूजा और किस समय खुलेगा व्रत

इस साल 4 सितंबर 2026 को कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस शुभ अवसर पर देशभर के कृष्ण मंदिरों में लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना का भव्य आयोजन किया जाता है। साथ ही, भक्त भगवान श्रीकृष्ण की आराधना कर सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए व्रत रखते हैं। इस दिन मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कान्हा जी का जन्म रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था। इस साल जन्माष्टमी के दिन अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा का विशेष संयोग भी बन रहा है। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर 2026 को रात 2 बजकर 25 मिनट से शुरू होकर 5 सितंबर 2026 को रात 12 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को ही कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मान्य होगा। इस तिथि पर अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र, ग्रहों का खास संयोग और वृषभ राशि में चंद्रमा का योग रहेगा।

जन्माष्टमी पूजा का शुभ मुहूर्त

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की पूजा का शुभ समय 4 सितंबर की रात 11 बजकर 57 मिनट से 5 सितंबर की रात 12 बजकर 43 मिनट तक रहेगा।
निशीथ काल: रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त: रात 11:56 बजे से 12:44 बजे तक
अमृत काल: रात 8:03 बजे से 9:33 बजे तक
जन्माष्टमी पर मध्यरात्रि पूजा: रात 12 बजे के आसपास

श्रीकृष्ण क्यों चुराते थे माखन? दही हांडी के पीछे है बाल लीला का खास राज

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है और उनकी मनमोहक बाल लीलाओं का स्मरण किया जाता है। इनमें माखन चोरी की लीला सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। नटखट कान्हा का गोपियों के घर जाकर माखन चुराना और दही की हांडी फोड़ना आज भी भक्तों को खूब आकर्षित करता है। लेकिन क्या श्रीकृष्ण वास्तव में माखन खाने के लिए ही उसे चुराते थे? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उनकी इस लीला में प्रेम, भक्ति और आत्मीयता का गहरा संदेश छिपा है।

श्रीकृष्ण को क्यों कहा जाता है माखन चोर

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को उनकी चंचल और मनमोहक लीलाओं के लिए जाना जाता है। ब्रज में बाल गोपाल अक्सर गोपियों के घर पहुंच जाते थे और वहां रखे माखन-दही को अपने सखाओं के साथ मिलकर निकाल लेते थे। इसी कारण उन्हें प्रेम से 'माखन चोर' कहा जाने लगा। धार्मिक कथाओं में बताया जाता है कि श्रीकृष्ण के घर में भी माखन-दही की कोई कमी नहीं थी। ऐसे में उनके लिए दूसरे घरों से माखन चुराने की कोई आवश्यकता नहीं थी। यही बात उनकी इस लीला को साधारण चोरी से अलग करती है। भक्त परंपरा में इसे भगवान और उनके भक्तों के बीच प्रेमपूर्ण संबंध का प्रतीक माना गया है।

श्रीकृष्ण जगत गुरु : विष्णु के सभी अवतारों में सर्वोच्च भगवान श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण का सभी अवतारों में सर्वोच्च स्थान है। संपूर्ण भारत में उन्हीं के सबसे अधिक और प्रसिद्ध मंदिर है। दुनियाभर में उन्हीं पर शोध हो रहे हैं और दुनियाभर के लोग उन्हीं को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। वे देश, धर्म और संप्रदाय से उपर उठकर सर्वमान्य महापुरुष हैं। आओ जानते हैं कि उनके बारे में ऐसे तथ्य जिन्हें जानकर लोग उनकी ओर आकर्षित होते हैं।

भगवान नहीं, प्रेमी और सखा

श्री कृष्ण अपने भक्तों के मित्र, दोस्त या सखा हैं। वे कभी भी किसी भक्त के भगवान नहीं बने। उन्होंने हमेशा मित्रता को ही महत्व दिया। चाहे सुदामा हो, अर्जुन हो या फिर कलिकाल में भक्त माधवदास और मीरा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों के सखा भी और गुरु भी हैं। वे प्रेमी और सखा बनकर गुर ज्ञान देते हैं। उनके हजारों सखाओं की कहानियों को जानने से यह भेद खुल जाता है।

जग के नाथ जगन्नाथ

श्रीकृष्ण 14 विद्या और 16 आध्यात्मिक और 64 सांसारिक कलाओं में पारंगत थे। इसीलिए प्रभु श्रीकृष्ण जग के नाथ जगन्नाथ और जग के गुरु जगद्गुरु कहलाते हैं।

पूर्णावतार

भगवान श्रीकृष्ण का भगवान होना ही उनकी शक्ति का स्रोत है। वे विष्णु के 10 अवतारों में से एक आठवें अवतार थे, जबकि 24 अवतारों में उनका नंबर 22वां था। उन्हें अपने अगले पिछले सभी जन्मों की याद थी। सभी अवतारों में उन्हें पूर्णावतार माना जाता है।

चमत्कार

उन्होंने बालपन में माता यशोदा मैया को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन करा दिए थे। वे सांदीपनि ऋषि के मृत पुत्र को यमराज के पास से पुन: ले आए थे। उन्होंने मथुरा में कुबड़ी कुब्जा को तक्षण ही ठीक कर दिया था। उन्होंने इंद्र का अहंकार चूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी चींटी अंगुली से उठा लिया था। उन्होंने धृतराष्ट्र की सभा में जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तब उन्होंने अपने चमत्कार से द्रौपदी की साड़ी लंबी कर दी थी। बर्बरीक का सिर काटकर एक स्थान विशेष पर रख दिया था जहां से वह युद्ध देख सके। जयद्रथ वध के पूर्व उन्होंने अपनी माया से समय पूर्व ही सूर्यास्त करके पुन: उसे उदित कर दिया था। उन्होंने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे पुत्र परीक्षित पुन: जीवित कर दिया था और अश्वत्थामा को 3 हजार वर्षों तक जीवित रहने के श्राप दे दिया था। इस तरह उनके सैंकड़ों चमत्कार है।

शरीर का गुण

युद्ध के समय श्रीकृष्ण की देह विस्तृत और कठोर हो जाती थी और नृत्य के समय कोमल। उनके शरीर से मादक गंध निकलती रहती थी। इस गंध को वे अपने गुप्त अभियानों में छुपाने का उपक्रम करते थे। ऐसा माना जाता है कि ऐसा इसलिए हो जाता था क्योंकि वे योग और कलारिपट्टू विद्या में पारंगत थे।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था। इसी तरह उन्होंने मृत्यु का भी वचन तब किया जबकि उन्हें अपने धाम जाना था। पौराणिक मान्यताओं अनुसार प्रभु ने त्रेता में राम के रूप में अवतार लेकर बाली को छुपकर तीर मारा था। कृष्णावतार के समय भगवान ने उसी बाली को जरा नामक बहेलिया बनाया और अपने लिए वैसी ही मृत्यु चुनी, जैसी बाली को दी थी।

विराट स्वरूप

उन्होंने अक्रूरजी को अपना विराट स्वरूप दिखाया, फिर उद्धव को, फिर राजा मुचुकुंद को, फिर शिशुपाल को, फिर धृतराष्ट्र की सभा में, पिर अर्जुन को 3 बार विराट स्वरूप दिखाया। कहते हैं कि उन्होंने कलियुग में माधवदास को भी अपना विराट स्वरूप दिखाया था।

सभी और वे पूजा जाते हैं

श्रीकृष्ण को पुरी में जगन्नाथ के रूप में, द्वारिका में द्वारिकाधीश के रूप में, गुजरात में श्रीनाथ के रूप में, राजस्थान में सांवलिया सेठ के रूप में पूजे जाते हैं। इसी तरह हर राज्य में उनका एक अलग ही स्वरूप है।

लाखों लोगों को मिला मोक्ष

श्रीकृष्ण के माध्यम से उन्हीं के काल में हजारों महिलाओं, द्रौपदी, राधा, रुक्मिणी, सत्यभामा और गोपियों को मोक्ष मिला या कहें कि ज्ञान प्राप्त हुआ था। उन्होंने भक्ति मार्ग के माध्यम से अपने भक्तों को ज्ञान प्राप्त कराया। गोपियों से लेकर मीरा तक और सुदामा से लेकर सुरदास तक सभी को मोक्ष मिला।

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने

जन्माष्टमी को वर्षों बाद बनें कई शुभ योग

जन्माष्टमी का पर्व भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का मनाया जाता है। जन्माष्टमी का पर्व भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के प्राकट्य का उत्सव है। इस साल जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस बार की जन्माष्टमी कई मायनों में बहुत ही खास होने वाली है। इस बार जन्माष्टमी पर कई शुभ योग का संयोग रहने वाला है। आइए जानते हैं जन्माष्टमी पर इस बार कौन कौन से योग बन रहे हैं। साथ ही जानें जन्माष्टमी व्रत पारण का समय।

3 सितंबर को रात में 12 बजकर 30 मिनट से रोहिणी नक्षत्र व्याप्त होगा। वहीं, 4 सितंबर को रात 11 बजकर 5 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र समाप्त होगा। ऐसे में अबकी बार जन्माष्टमी 4 सितंबर यानी शुक्रवार को रोहिणी नक्षत्र अष्टमी तिथि के संयोग में मनाई जाएगी। वहीं, कृष्णजी की छठी बुधवार को मनाई जाएगी। ऐसे में अबकी बार जयंती योग का दुर्लभ संयोग बना है। पुराणों में जयंती योग में जन्माष्टमी का मिलना पूर्व जन्मों का फल माना जाता है क्योंकि इस दुर्लभ संयोग में जन्माष्टमी व्रत को करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। निर्णय सिंधु में बताया गया है कि यानी रोहिणी युक्ता जन्माष्टमी में कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करने से तीन जनों के पापों का शमन हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार, जब भी भगवान कृष्ण की जन्म बुधवार या सोमवार को होता है और साथ में रोहिणी नक्षत्र और अष्टमी तिथि का संयोग बनता है तो यह जयंती योग के परम पुण्य फल को देने वाला हो जाता है। इस साल जन्माष्टमी शुक्रवार होने से बुधवार के दिन श्रीकृष्ण भगवान की छठी बुधवार को मनाई जाएगी। यह भी एक उत्तम संयोग है। पंडित जी के अनुसार, पद्म पुराण में बताया गया है कि, जो श्रद्धालु भक्त जयंती योग में जन्माष्टमी का व्रत करते हैं वह प्रेत योनी में पड़े अपने पूर्वजों को भी पाप मुक्त करवाकर पुण्य लोक में स्थान दिलाने में सक्षम होते हैं। इसलिए जयंती योग में जन्माष्टमी होने पर स्त्री पुरुष बाल वृद्ध सभी को श्रद्धा पूर्वक जन्माष्टमी का व्रत करना चाहिए।

जन्माष्टमी 2026 कौन कौन से योग बने हैं?

जन्माष्टमी पर इस बार जयंती योग, हंस योग, मालव्य राजयोग, बुधादित्य राजयोग, हर्ष योग का संयोग रहने वाला है। ऐसे में इस साल जन्माष्टमी का व्रत करने वालों को दोगुना फल प्राप्त होगा। साथ ही इस दिन व्रत करने वालों को अपने पूर्वजों को भी प्रेत योनी से मुक्त कराने का मौका मिलेगा। बात करें जन्माष्टमी व्रत पारण की तो जन्माष्टमी व्रत का पारण 5 सितंबर शनिवार के दिन सूर्योदय के बाद किया जाएगा। 4 सितंबर की मध्यरात्रि जब भगवान कृष्ण का जन्म हो चुका होगा तो उस समय चरणामृत और प्रसाद लेकर पारण कर सकते हैं। लेकिन, अन्न ग्रहण सूर्योदय के बाद ही करना उत्तम शास्त्र सम्मत विधान माना गया है। 5 सितंबर को सूर्योदय का समय 6 बजकर 1 मिनट पर होगा। इसके बाद आप आराम से पारण कर सकते हैं।

जन्माष्टमी के दिन कान्हा को लगाएं इन चीजों का भोग, संतान रहेगी सेहतमंद और बढ़ेगी सुख-समृद्धि

भगवान श्री कृष्णा के जन्मदिन पर घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए भोग बनाते समय भी आपको कई बातों का खासतौर से ध्यान रखना जरूरी होता है।

भगवान विष्णु के आठवें अवतार के धरती पर अवतरण दिवस पर जन्माष्टमी का पर्व हर साल बेहद धूमधाम से मनाया जाता है, जिन्हें भगवान श्रीकृष्ण के नाम से जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। यही कारण है कि जन्माष्टमी भाद्रपद महीने के अंधेरे पखवाड़े के आठवें दिन मनाई जाती है। इस बार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर को मनाया जाएगा। घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए श्री कृष्णा के लिए आपको भोग तैयार करना चाहिए। तो आइये जानते हैं जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए।

जन्माष्टमी के दिन श्री कृष्णा को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए?

सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रद्युमन सूरी के अनुसार, इस दिन श्रद्धालु नंदनी व्रत रखा जाता है, जिसमें कृष्ण जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है। इसे निशिता पूजा कहा जाता है। पूजा के दौरान पंचामृत व खीर-माखन का भोग लगाने से संतान की सेहत अच्छी रहती है। इसके साथ ही सुख-संपत्ति के बढोतरी के साथ आपको हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है।

निशीथ काल में 45 मिनट पूजा का मुहूर्त

जन्माष्टमी पर निशीथ पूजा का मुहूर्त रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक रहेगा। पूजा की अवधि 45 मिनट होगी। मध्यरात्रि का क्षण रात 12:20 बजे रहेगा। चंद्रोदय का समय रात 11:29 बजे बताया गया है। श्रद्धालु इसी अवधि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाकर विधिवत पूजन कर सकते हैं।

जन्माष्टमी के दिन कैसे करें श्री कृष्णा की पूजा?

- पूजा की थाली में तुलसी के कुछ पत्तों के साथ माखन और मिश्री रखें।
- दूध, दही, शहद, शक्कर और घी का पंचामृत का भोग लगाएं।
- गाय के दूध से बनी शुद्ध मिठाई का भोग लगाएं।
- भगवान श्रीकृष्ण को उनके मनपसंद खीर-माखन का भोग लगाकर प्रसाद का वितरण करें।
- भगवान श्रीकृष्ण को श्रीखंड बहुत पसंद है, इसलिए आप उन्हें श्रीखंड का भोग भी लगा सकते हैं।
- इसके साथ ही पूजा की थाली में प्रसाद में मेवे और फल जरूर रखें।

इंटरनेशनल माफिया पर बेस्ड होगी अक्षय की नई फिल्म

अक्षय कुमार और निर्देशक अनीस बज्मी की अनटाइटल्ड एक्शन-कॉमेडी अब अपनी मेकिंग के आखिरी शेड्यूल में प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फिल्म की लगभग पूरी शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब केवल सीमित पैचवर्क तथा कुछ कनेक्टिंग शॉट्स बाकी हैं। इसी के साथ-साथ एडिटिंग, बैकग्राउंड स्कोर और पोस्ट-प्रोडक्शन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। यदि कोई एक्स्ट्रा शूटिंग तय नहीं होती, तो प्रोजेक्ट जल्द ही पूरी तरह पोस्ट-प्रोडक्शन मोड में चला जाएगा।

केरल से हुई शुरुआत, कई खूबसूरत लोकेशन पर हुआ शूट

फिल्म का पहला बड़ा शूटिंग शेड्यूल केरल में रखा गया, जहां यूनिट ने करीब एक महीने तक काम किया। शुरुआती 12 दिनों में अक्षय और विद्या बालन के साथ अहम सीन फिल्माए गए। इसके बाद मुन्नार, मरायूर, कुट्टिक्कानम और पीरमेड जैसी प्राकृतिक लोकेशनों पर शूटिंग जारी रही। केरल की लोकेशनों का इस्तेमाल सिर्फ सीन की सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि कहानी के माहौल और किरदारों की यात्रा को प्रभावी बनाने के लिए किया गया है। सिनेमैटोग्राफी टीम ने शूट के दौरान नैचुरल लाइट और रियल लोकेशन का अधिकतम उपयोग किया है। केरल शेड्यूल के बाद पूरी यूनिट मुंबई पनी और तकनीकी रूप से अधिक मुश्किल फेज शुरू हुआ। यहां विशाल जेल सेट, भीड़भाड़ वाले मार्केट सीक्वेंस और कई नियंत्रित अर्बन लोकेशनों पर शूटिंग की गई। सूत्रों के अनुसार यही हिस्सा फिल्म के एक्शन और कॉमिक टकराव का केंद्र है। पारंपरिक गैंगस्टर ड्रामा जैसी नहीं कहानी का बैकग्राउंड इंटरनेशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम वर्ल्ड से जुड़ा है, लेकिन इसका प्रस्तुतिकरण पारंपरिक गैंगस्टर ड्रामा जैसा नहीं होगा। क्राइम वर्ल्ड यहां कहानी का ढांचा तैयार करता है, जबकि फिल्म का मूल स्वर एक्शन और कॉमिक स्थितियों के बीच संतुलन बनाए रखता है।

जेल सेट पर शूट हुए सीक्वेंस में विजय की होगी अहम भूमिका

फिल्म के मुंबई में हुए शूट का सबसे बड़ा आकर्षण विशाल जेल का सेट रहा। यहां कई कॉमिक फाइट सीक्वेंस फिल्माए गए, जिनमें विजय राज की भूमिका बेहद अहम है। उनका किरदार किसी कॉप का नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े एक अनुभवी व्यक्ति का है। उनके आसपास तैयार किए गए कॉमिक सीन फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होंगे।

कॉमेडी में फिर वापसी कर रहीं ईशा देओल, मालामाल वीकली 2 में आएंगी नजर

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है।

इस फिल्म में नजर आएंगी ईशा

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है। इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'।

ईशा ने कहा, 'मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'स्क्वंत्र'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।'

इन फिल्मों में भी कर चुकी हैं कॉमेडी

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है। ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने कहा, ''नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।'

रितेश से एल्विश तक ये सितारे आएंगे नजर

'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

परदे पर मधुबाला बनेंगी सारा शुरू की तैयारियां

हिंदी सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस मधुबाला की जिंदगी पर बनने वाली बहुप्रतीक्षित बायोपिक को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर खबरें सामने आती रही हैं, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि यह प्रोजेक्ट आखिरकार फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक... 'फिल्म की शूटिंग सितंबर 2026 से शुरू हो सकती है। इस फिल्म में सारा अर्जुन, मधुबाला की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि इसका निर्देशन जस्मीत के. रीन करेंगी। भंसाली अपनी मौजूदा फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी करने के बाद सीधे मधुबाला की बायोपिक पर काम शुरू करेंगे।' सारा ने मधुबाला के किरदार की तैयारी शुरू कर दी है। निर्देशक जस्मीत के. रीन चाहती हैं कि सारा सिर्फ मधुबाला जैसी दिखें ही नहीं, बल्कि उनके बोलने के तरीके, हाव-भाव, व्यक्तित्व और उस दौर की दुनिया को भी सही तरीके से समझें। फिल्म की कहानी मधुबाला के जीवन और उनके करियर के इर्द-गिर्द घूमेगी। बता दें कि मधुबाला ने बहुत कम उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था।

तापसी पन्नू को गंभीर रोल में देखकर क्यों चौंक जाते हैं स्कूल-कॉलेज के दोस्त? एक्ट्रेस ने बताई वजह

तापसी पन्नू ने अब तक कई गंभीर किरदार निभाए हैं, लेकिन उनके स्कूल-कॉलेज के दोस्तों को आज भी उन्हें ऐसे रोल में देखना थोड़ा अजीब लगता है। तापसी बताती हैं कि वे लोग उन्हें हमेशा से अलग अंदाज में जानते हैं और चाहते हैं कि वह कॉमेडी भी करें तापसी कहती हैं, 'मुझे लगता है कि कॉमेडी एक ऐसा जॉनर है, जिसे मैंने अभी तक पूरी तरह एक्सप्लोर नहीं किया है। जो लोग मुझे पर्सनली जानते हैं, खासकर स्कूल और कॉलेज के समय से, उन्हें यह विश्वास करना बहुत मुश्किल लगता है कि मैं इतने सीरियस रोल करती हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे कभी सीरियस देखा ही नहीं है।' वह आगे कहती हैं, 'उनके लिए यह देखना बहुत मुश्किल है कि मैं इतना हैवी लिफ्टिंग और इतना इंटेंस इमोशन करती हूं। उन्होंने मुझे अपनी लाइफ में ऐसा कभी करते नहीं देखा। तो उनके लिए यह बहुत बड़ा शॉक है। जो लोग मुझे पर्सनल लेवल पर जानते हैं, वे चाहते हैं कि मैं कॉमेडी करूं।' तापसी का मानना है कि महिला के नजरिए से कॉमेडी को अभी उतना एक्सप्लोर नहीं किया गया है। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हमने अभी तक एक महिला के नजरिए से कॉमेडी को उतना एक्सप्लोर नहीं किया है। मुझे नहीं पता क्यों... हालांकि, मैं कॉमेडी का ऑब्जेक्ट नहीं बनना चाहती, मैं कॉमेडी करना चाहती हूं।'

कार्थी की फिल्म में दिखेंगी नयनतारा

अभिनेता कार्थी ने हाल ही में निर्देशक मोहन राजा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ नयनतारा या तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस कास्टिंग की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए नयनतारा पहली पसंद हैं। अगर वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं तो 'काश्मोरा' के बाद यह उनकी और कार्थी की दूसरी फिल्म होगी। नयनतारा इससे पहले मोहन राजा के साथ 'थानी ओरुवन', 'वेलैक्कारण' और 'गॉडफादर' में भी काम कर चुकी हैं। अगर नयनतारा अपनी व्यस्तता के कारण फिल्म नहीं कर पाती हैं, तो मेकर्स तृषा कृष्णन से संपर्क कर सकते हैं।

ऋतिक के बेटे रेहान ने संगीत जगत में रखा कदम

ऋतिक रोशन और सुजैन खान के बेटे रेहान रोशन ने शुक्रवार को अपना सिंगिंग डेब्यू कर लिया है। शुक्रवार को रेहान ने अपना पहला गाना 'द हेवनली प्लेस' रिलीज किया। इसकी जानकारी ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फैंस को दी।

बेटे के लिए ऋतिक ने लिखा

ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर बेटे को इस शुरुआत के लिए बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'आपमें जन्मजात बुद्धिमत्ता है। मुझे इस पर पूरा भरोसा है। यही बात मुझे निडर बनाती है।' इसके साथ ही उन्होंने बेटे के लिए हार्ट इमोजी का साइन भी लगाया। रेहान रोशन के रिलीज हुए गाने पर उनके दादा राकेश रोशन ने भी अपनी खुशी बयां की। उन्होंने अपने पोते के लिए एक भावुक नोट लिखा, 'संगीत हमेशा से हमारे परिवार की धड़कन रहा है और आपको अपने एल्बम के साथ नेतृत्व करते हुए देखना एक अच्छा अनुभव है। हर शब्द को लिखना, संगीतबद्ध करना और गाना बेहद भावुक कर देने वाला है। आप अपनी प्रतिभा और कलात्मकता से अपना अलग रास्ता बना रहे हैं। आगे बढ़ती रहिए।'

सुजैन और सबा ने लुटाया प्यार

रेहान रोशन की मां सुजैन खान ने भी अपने बेटे के पहले गाने की रिलीज का जश्न मनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, 'बेहद भावुक हूं, तुमसे बहुत प्यार करती हूं।' गायिका और अभिनेत्री सबा आजाद ने भी रेहान रोशन को बधाई दी। उन्होंने रेहान का पहला गाने सुनने के बाद उनकी प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, 'बहुत ही खूबसूरत रे। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।'

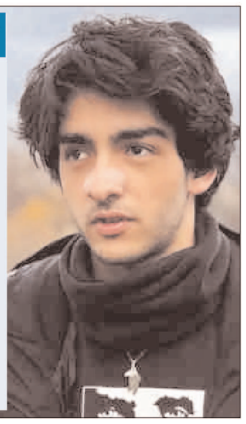

'लव लॉटरी' में अक्षय ओबेरॉय के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी हेली दारूवाला

हेली दारूवाला ने टेलीविजन के चर्चित धारावाहिकों से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक 'नागिन 3' में खलनायिका की भूमिका से पहचान बनाने के बाद वह वर्ष 2025 में 'एक चतुर नार' में टीना गुप्ता की नकारात्मक भूमिका में नजर आईं। अब वह अरविंद पांडे के निर्देशन में बनी 'लव लॉटरी' में अक्षय ओबेरॉय के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

आपको टेलीविजन ने पहचान दी। क्या कभी ऐसा लगा कि उस लोकप्रियता ने आपको एक खास छवि (टाइपकास्ट) में बांध दिया? बतौर अभिनेत्री आपके भीतर सबसे बड़ा बदलाव क्या आया है?

मैंने टेलीविजन में अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ की हैं। मैंने कोई ऐसा शो नहीं किया जो सालों-साल चले और मैं एक ही किरदार में बंध जाऊं। मैंने कोई टिपिकल 'सास-बहू' ड्रामा भी नहीं किया है। मेरा सफर स्कूल और कॉलेज वाले शोज से शुरू हुआ, फिर कजिन्स पर आधारित शो किया और बाद में 'नागिन' जैसा ग्लैमरस शो किया। इसलिए मेरी ऐसी कोई एक छवि नहीं बनी जिससे मुझे बंधने का अहसास हो।

'एक चतुर नार' के बाद आपने फिर से रहस्य और अपराध (सस्पेंस/क्राइम) से जुड़ी कहानी चुनी, जिसमें मर्डर, मिस्ट्री और कोर्टरूम ड्रामा है। इसे चुनने की क्या वजह रही?

इसके बाद मेरे पास यही फिल्म आई और मुझे इसका अपना किरदार बहुत दिलचस्प लगा। ऐसा रोल मैंने पहले कभी नहीं किया था। एक एक्टर के तौर पर मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूँ, इसीलिए मैंने इसे चुना।

अक्षय ओबेरॉय जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ काम करते हुए अपने किरदार के लिए क्या अतिरिक्त तैयारी की?

अनुभवी तो हम दोनों ही हैं, लेकिन हाँ, मैंने उनका काम देखा है। रीडिंग सेशन के दौरान मैंने उनसे काफी टिप्स और इनपुट्स लिए। जब आप साथ में काम कर रहे होते हैं, तो सामने वाले का नजरिया समझना बहुत जरूरी होता है। अक्षय के साथ केमिस्ट्री बहुत अच्छी रही, वह बहुत बेहतरीन इंसान हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस फिल्म की कहानी में चेहरे के भाव और ठहराव (साइलेंस) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना संवाद। बिना बोले भी अभिव्यक्ति देनी पड़ती है। ऐसा कोई दृश्य जिसने चुनौती दी हो?

हाँ, ऐसे कई सीन थे। इस किरदार की भावनाएं और सोच मेरी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग थीं। मैं असल जिंदगी में वैसी इंसान नहीं हूँ। इसलिए खुद को अलग रखकर एक नकारात्मक या जटिल सोच वाले किरदार की भावनाओं को महसूस करना और स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण था।

सस्पेंस फिल्मों में कलाकारों को दर्शकों से भी काफी कुछ छुपाना पड़ता है, अपने किरदार की परतें नियंत्रित रखनी होती हैं। यह कितना कठिन था?

यह काफी एक्साइटिंग था। एक एक्टर का काम ही यही है कि वह दर्शकों को केवल वही दिखाए जो उस सीन के लिए जरूरी है, न कि अपने मन की बात। मुझे इसके अलग-अलग शेड्स प्ले करने में बहुत मजा आया।

आजकल सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग और लोकप्रियता का दबाव रहता है। क्या इसका असर कलाकारों के वास्तविक अभिनय पर पड़ता है?

यह हर इंसान की व्यक्तिगत सोच है कि वह सोशल मीडिया या फेम को कैसे लेता है। मेरे फैंस और फॉलोअर्स मुझसे इसलिए जुड़े हैं क्योंकि उन्हें मेरा काम (टेलीविजन, ओटीटी या डांस) पसंद आया है। वे हमेशा मेरे अगले प्रोजेक्ट का इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया से मुझे दबाव नहीं, बल्कि और अच्छा काम करने की प्रेरणा और उत्साह मिलता है।

फिल्म 'लव लॉटरी' को लेकर क्या उम्मीदें हैं

यह एक पूरी तरह से स्टोरी-ड्रिवन (कहानी पर आधारित) फिल्म है। इसमें काफी ट्विस्ट एंड टर्न्स, सस्पेंस, थ्रिलर के साथ-साथ रोमांस और अच्छे गाने भी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जरूर जुड़ पाएंगे और इसे पसंद करेंगे।

महिलाओं को मात्र 1 रूपये में सेनेटरी नेपकिन, विधायक रिकेश की जनसेवा में जुड़ी एक और कड़ी

विधायक कार्यालय में लगेगी ऑटोमेटिक सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन, माताओं-बहनों को मिलेगी सहज और किफायती सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई नगर

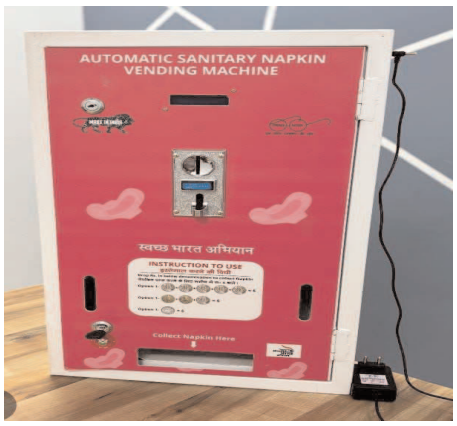

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा को केवल घोषणाओं तक सीमित न रखते हुए उसे आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों से जोड़ने की दिशा में विधायक रिकेश सेन की पहल लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में अब विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं और किशोरियों के लिए मात्र 1 रुपये में सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध कराने की सुविधा शुरू की जा रही है।

गणेश चतुर्थी, 14 सितंबर 2026 से श्वेताम्बर जैन मंदिर, जीरो रोड शांति नगर स्थित वैशाली नगर विधायक कार्यालय में ऑटोमेटिक सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन लगाई जा रही है। इसके माध्यम से माताएं-बहनें जरूरत के समय बेहद सरल तरीके से मात्र 1 रूपये में सेनेटरी नेपकिन प्राप्त कर सकेंगी।

महिला स्वास्थ्य और गरिमा को प्राथमिकता

विधायक रिकेश सेन ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि होने का वास्तविक उद्देश्य जनता की समस्याओं को समझना और उनके समाधान को सरल, सहज और सम्मानजनक बनाना है। सेनेटरी नेपकिन जैसी आवश्यक वस्तु को आसानी से और बेहद कम कीमत पर उपलब्ध कराने की यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा से सीधे जुड़ी है। विशेष रूप से जरूरतमंद महिलाओं के लिए यह सुविधा उस समय उपयोगी साबित हो सकती है, जब उन्हें तत्काल सेनेटरी नेपकिन की आवश्यकता हो। विधायक कार्यालय में मशीन की उपलब्धता से महिलाओं को इसे प्राप्त करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। वैशाली नगर विधायक कार्यालय पहले से ही विभिन्न जनोपयोगी सेवाओं और योजनाओं के संचालन का केंद्र बना हुआ है। यहां ब्लड चेकअप, एक्स-रे, सोनोग्राफी, डायलिसिस, मोतियाबिंद ऑपरेशन, पावर चश्मा, दुल्हन का ब्राइडल मेकअप और मेहंदी सहित अनेक सेवाओं के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अब 14 सितंबर से सेनेटरी नेपकिन की 1 रूपये वाली सुविधा इन सेवा कार्यों में एक और महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में जुड़ जाएगी।

अंतिम व्यक्ति तक सुविधा के विजन पर जोर

विधायक रिकेश की जनसेवा की कार्यशैली में यह सोच प्रमुखता से दिखाई देती है कि सरकारी योजनाओं और सामाजिक सुविधाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक बिना किसी भेदभाव के, सरल तरीके से पहुंचे। इसी विजन के तहत विधायक कार्यालय को केवल राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र न बनाकर जनसुविधा और सेवा का केंद्र बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सेनेटरी नेपकिन की यह नई सुविधा इसी सोच का हिस्सा है, जहां छोटी लेकिन बेहद जरूरी जरूरतों को भी जनसेवा के दायरे में शामिल किया जा रहा है। 14 सितंबर से शुरू होने वाली यह पहल वैशाली नगर विधानसभा की महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता और आत्मसम्मान से जुड़ी एक उपयोगी सुविधा के रूप में देखी जा रही है।

ठेका कर्मचारियों के लिए जेएलएन अस्पताल में नया ढटए केंद्र शुरू

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएच एंड आरसी), सेक्टर-9 में ठेका कर्मचारियों के लिए समर्पित नए पीरियोडिक मेडिकल एग्जामिनेशन (ढटए) केंद्र का शुभारंभ किया गया। अस्पताल के पुराने चेस्ट वार्ड में स्थापित इस केंद्र से ठेका कर्मचारियों को आवधिक चिकित्सा परीक्षण की सुविधा अब जेएलएन अस्पताल में ही मिल सकेगी।

केंद्र का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं चिकित्सा प्रमुख डॉ. उदय कुमार ने किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सविता पंडा, महाप्रबंधक (ट&लर) संजय कुमार तथा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र (ठडलरठ) के प्रभारी डॉ. शील कमल ठाकुर सहित अन्य विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पहले ही दिन 100 कमर्चारियों की जांच

नए केंद्र में शुभारंभ के पहले ही दिन 100 ठेका कमर्चारियों का ढटए सफलतापूर्वक किया गया। आवश्यकता के अनुसार आने वाले समय में केंद्र की क्षमता और कार्यप्रणाली का विस्तार किया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले साढ़े तीन वर्षों से ठेका कमर्चारियों का ढटए बाहरी एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा था। अब यह सुविधा जेएलएन अस्पताल में शुरू होने से अस्पताल के मौजूदा चिकित्सा संसाधनों और बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग हो सकेगा। ढटए के दौरान किसी कमर्चारी में स्वास्थ्य समस्या अथवा व्यावसायिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम सामने आने पर अस्पताल में ही विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

वहीं, नियमित कमर्चारियों और अधिकारियों के लिए ढटए की सुविधा पूर्ववत राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र (ठडलरठ) में संचालित होती रहेगी। संयंत्र प्रबंधन की यह पहल कमर्चारियों को बेहतर और सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

32 बंगला चौक के पास अवैध हथियारों के साथ तीन गिरफ्तार, पिस्टल व दो कारतूस बरामद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

भिलाईनगर पुलिस ने 32 बंगला चौक के पास रेलवे लाइन से लगे कच्चे रास्ते में कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल और दो पिस्टल कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, 4 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 32 बंगला चौक के पास रेलवे लाइन वाले कच्चे रास्ते में तीन व्यक्ति अवैध पिस्टल और कारतूस लेकर मौजूद हैं। सूचना पर भिलाईनगर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपियों की पहचान सूरज ताण्डी (29), निवासी 32 बंगला उड़िया बस्ती भिलाईनगर; दीपक दास उर्फ सिब्बू (26), निवासी रायपुर नाका उड़िया बस्ती, थाना पद्मनाभपुर; तथा महेश ताण्डी (23), निवासी रायपुर नाका उड़िया बस्ती, थाना पद्मनाभपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान सूरज ताण्डी के कब्जे से एक पिस्टल तथा दीपक दास और महेश ताण्डी के कब्जे से एक-एक पिस्टल कारतूस बरामद हुआ। हथियार रखने के संबंध में लाइसेंस एवं वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस दिए जाने पर आरोपी कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 25 एवं 27 के तहत कार्रवाई की है। बरामद पिस्टल की अनुमानित कीमत 2 लाख रुपए और दो कारतूस की कीमत करीब 1 हजार रुपए बताई गई है। कुल जब्ती की कीमत 2.01 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस अब हथियार कहां से लाए गए थे और इनके किसी आपराधिक गतिविधि से संबंध हैं या नहीं, इस संबंध में आगे जांच कर रही है। कार्रवाई में भिलाईनगर थाना पुलिस के अधिकारी एवं कमर्चारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पंचशील पंजाबी एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी उत्सव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पंचशील पंजाबी एसोसिएशन, भिलाई द्वारा जन्माष्टमी उत्सव 3 सितंबर को पंजाबी पैलेस प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश मल्होत्रा और मुख्य संयोजक अजय भसीन ने टीम के साथ उनका स्वागत किया। सांसद ने कृष्ण वंदना की, जिसके बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ।

रायपुर से आए लल्लू महाराज ने भजनों की प्रस्तुति दी, साथ ही नृत्य प्रस्तुतियां भी हुईं। कृष्ण-राधा मय माहौल में उपस्थित सदस्य कलाकारों के साथ झूम उठे और फूलों की होली खेली गई। अजय भसीन ने सभा के कार्यों की जानकारी दी और कहा कि पुरानी टीम की परंपरा को तीसरी पीढ़ी ने संभाल रखा है। कैलाश मल्होत्रा ने सभी परिवारों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और कार्यकारिणी के सहयोग की सराहना की। इस दौरान सभा से जुड़े चार नए परिवारों का सम्मान किया गया। सामान्य सचिव जितेंद्र उप्पल और राम ओबराय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुराने पैसों की वसूली के विवाद में मारपीट से मौत, एक और आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

इंदिरा मार्केट स्थित होटल 36 इन में पुराने पैसों की वसूली को लेकर हुए विवाद में मारपीट से हुई ऋषि निर्मलकर की मौत के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी रवि शर्मा (43) को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस मामले में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार 24 जनवरी को होटल 36 इन में पुराने पैसों की वसूली को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान आरोपियों ने ऋषि निर्मलकर के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। गंभीर चोट लगने के बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। 25 जनवरी को सुपेला थाना से प्राप्त मर्ग डायरी के आधार पर पोस्टमार्टम कराया गया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100